देश का प्रमुख दैनिक समाचार-पत्र

जन जन जागरण

जनहित का सजग प्रहरी

पेज - 4 | Web Site: www.janjanjagran.com | झांसी और भोपाल से एक साथ प्रकाशित | झांसी, रविवार 23 मई 2021 | वर्ष-09 अंक-312 पृष्ठ-08 मूल्य 3 रुपए | पेज - 6

कमलनाथ के कोरोना वाले बयान पर भड़के प्रकाश जावड़ेकर, कहा- देश का अपमान कर रही है कांग्रेस

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस नेता कमलनाथ के इंडियन कोरोना वाले बयान पर बीजेपी भड़की हुई है. केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने कमलनाथ के बयान का हवाला देते हुए कहा है कि कांग्रेस दुनिया में भारत का अपमान कर रही है और देश की कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई को भी कमज़ोर कर रही है। प्रकाश जावड़ेकर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा- शुरुआत में कोवैक्सीन को बीजेपी की वैक्सीन कहा गया. अब सबसे ज्यादा अच्छी कोवैक्सीन साबित हुई. तो इन्होंने अब इन्होंने एक नया शब्द ट्रैवल बैन जोड़ा है. लेकिन डब्ल्यूएचओ ने ऐसा कोई निर्णय ही

नहीं लिया है. कांग्रेस पार्टी देश में कोरोना के खिलाफ लड़ाई को कमजोर करने का काम कर रही है. लोगों में डर और भ्रम पैदा किया जा रहा है. ये एक जिम्मेदार विपक्ष की भूमिका नहीं है. कांग्रेस अब नकारात्मक राजनीति पर उतर

आयी है। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने बताया है कि कांग्रेस की ओर से हो रही इस नकारात्मक राजनीति पर सोनिया गांधी को बोलना चाहिए. उन्हें जवाब देना चाहिए कि कांग्रेस ऐसा क्यों कर रही है।

कमलनाथ ने क्या कहा था?

कांग्रेस नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने अपने बयान में कहा है कि - जब जनवरी 2020 में कोरोना आया, तो इसे हम चाइनीज कोरोना कहते थे. कहा जा रहा था कि ये चीन की लेबोरेटरी में बना है और ये किसी एक शहर से आया है. लेकिन आज हम कहां पहुंचे हैं? ब्रिटेन के पीएम ने भारत से फ्लाइट्स इसलिए कैंसिल की हैं कि इंडियन कोरोना आ जाएगा. उन्होंने छात्रों और वहां काम कर रहे भारतीयों को इस डर से रोक दिया है कि वे इंडियन कोरोना ला सकते हैं. दुनिया भर में देश इसीलिए पहचाना जा रहा है।

कमलनाथ ने 84 के दंगों में घर जलाए अब प्रदेश जलाना चाहते हैं : नरोत्तम मिश्रा

एजेंसी, भोपाल/दतिया. मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ पर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि कमलनाथ की उत्पत्ति ही आग से हुई है. इमरजेंसी में वे भागीदार रहे हैं. 84 के दंगों में उन्होंने लोगों के घर जलाए, अब मध्य प्रदेश को जलाने की बात कर रहे है. आपदा में कभी तो सेवा की बात कर लीजिए कमलनाथ जी। गृह मंत्री मिश्रा शनिवार को दतिया जिले में मीडिया से बात कर रहे थे. उस दौरान उन्होंने कमलनाथ के एक

वायरल वीडियो पर ये तीखी टिप्पणी की. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में कमलनाथ मध्य प्रदेश में आग लगाने जैसे शब्द बोल रहे हैं. बताया जा रहा है कि वे किसानों के अनाज खरीदी से जुड़े मसले पर बात कर रहे हैं ।

कमलनाथ के पास सीडी का होना शोध का विषयः मिश्रा

गृह मंत्री ने कहा कि हनीट्रैप की पेनड्राइव का उनके पास होना सोच के साथ ही शोध का भी विषय है. उन्होंने मुख्यमंत्री रहते हुए पता नहीं कौन-कौन से दस्तावेज गायब किए होंगे. मिश्रा ने कहा कि मध्य प्रदेश में कोरोना निरंतर नियंत्रण में आ रहा है. अब प्रदेश का पॉजिटिविटी रेट 6 फीसदी से नीचे 5.8 फीसदी पर आ चुका है ।

विवाह बंधन में बंधे यूपी के डिप्टी सीएम केशव मौर्य के बेटे शादी में 21 लोग ही हुए शामिल

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश के किसी बड़े नेता पुत्र की शादी हो और वीवीआईपी नगण्य रहे, ऐसा विरले ही होता है. लेकिन उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के बेटे की शादी का नजारा बिल्कुल अलग था. केशव मौर्य के बेटे की बारात लेकर मात्र कुछ पारिवारिक सदस्यों के साथ निकले और शादी कौशांबी स्थित गेस्टहाउस मे संपन्न हुई. उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के बेटे योगेश कुमार मौर्य का विवाह 21 मई को कौशांबी स्थित एक गेस्टहाउस मे संपन्न हुआ. वधु पक्ष रायबरेली जिले का है. रायबरेली जनपद के हरिशंकर मौर्य की बेटी अंजलि मौर्य के साथ योगेश मौर्य की शादी कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए सादगी से संपन्न हुआ।

कोराना काल के चलते बारात रायबरेली नहीं गई बल्कि वधु पक्ष के लोग भी कौशांबी मे मौजूद रहे और वहीं पहले से तय तिथि पर शादी संपन्न हुई. वर-वधू के परिणय सूत्र में बंधने की पुनीत और मधुर बेला पर पारिवारिक सदस्यों और शुभचिंतक सहित 21 लोग मौजूद रहे. इस मौके पर सभी लोगों ने वर वधु के सफल और सुखद वैवाहिक जीवन की कामना करते हुए अपना आशीर्वाद और शुभकामनाएं दीं।

सैफई में सीएम योगी का अखिलेश पर निशाना, कहा- जो पहले वैक्सीन का विरोध करते थे, अब वैक्सीन की ही बात कर रहे

एजेंसी, इटावा

उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज सपा के गढ़ और मुलायम सिंह व अखिलेश यादव के गांव सैफई में थे। वे यहां सैफई मेडिकल कॉलेज में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की समीक्षा करने पहुंचे थे। योगी ने सैफई मेडिकल कॉलेज के दौरे के साथ ही सैफई के गींजा गांव का भी दौरा किया, वहां पर होम आइसोलेटेड मरीज़ों का भी हाल जाना।

इस दौरान योगी ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग पहले वैक्सीन का विरोध करते थे आज वे वैक्सीन की ही बात कर रहे हैं। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, जिलाधिकारी श्रुति सिंह, एसएसपी बृजेश कुमार सिंह भी उनके साथ थे। सीएम ने मेडिकल यूनिवर्सिटी के कार्यवाहक वीसी

रमाकांत यादव और मेडिकल स्टाफ से मरीजों के इलाज को लेकर सवाल किए। वेंटिलेटर और आईसीयू रूम का भी निरीक्षण किया।

पहली बार सामजवादियों के गढ़ में पहुंचे सीएम

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के गांव सैफई के दौरे को लेकर सभी की निगाह बनी हुई थी। क्योंकि पहली बार समाजवादी गढ़ में किसी गैर यादव मुख्यमंत्री का काफिला सैफई पहुंचा था। आज सुबह 11.15 पर सैफई के एथलेटिक्स स्टेडियम में योगी आदित्यनाथ का हेलीकॉप्टर उतरा जहां से मुख्यमंत्री वे सीधे सैफई मेडिकल कॉलेज गए। यहां पर जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद मुख्यमंत्री ने मेडिकल कॉलेज के ऑक्सीजन प्लांट एवं ट्रॉमा सेंटर में मरीजों का हाल जाना।

हर जिले में बच्चों के लिए तैयार हो रहे बेड

इसके बाद मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रदेश में कोरोना के मामले अब घटने लगे हैं, वहीं उत्तर प्रदेश वैक्सीनेशन को लेकर देश भर में अव्वल स्थान पर है। इसके कारण कोरोनावायरस पर काबू पाया गया है वही संभावित तीसरी लहर को लेकर भी प्रदेश सरकार की तैयारियां पूरी हैं प्रदेशभर के सभी अस्पतालों में बच्चों के 100 बैड तैयार करवाए जा रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि जो लोग पहले वैक्सीन का विरोध करते थे वही लोग अब वैक्सीन की बात कर रहे हैं।

यास चक्रवात को लेकर केंद्र की बड़ी बैठक, राज्यों की तैयारी का लिया जायजा

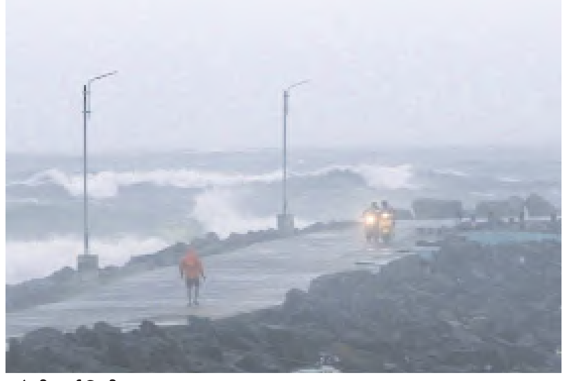

एजेंसी, नई दिल्ली

बंगाल की खाड़ी में चक्रवाती तूफान यास से निपटने के लिए कैबिनेट सचिव राजीव गौबा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (एनसीएमसी) ने शनिवार को केंद्रीय और राज्य मंत्रालयों/एजेंसियों की तैयारियों की समीक्षा के लिए बैठक की. संबंधित राज्यों के मुख्य सचिवों ने समिति को तूफान से बचने के लिए किए जा रहे प्रारंभिक उपायों से अवगत कराया. उन्होंने बताया कि निचले इलाकों से लोगों को निकाला जा रहा है. इसके साथ ही खाद्यान्न, पेयजल और आवश्यक आपूर्ति के पर्याप्त स्टॉक की व्यवस्था की गई और बिजली, दूरसंचार जैसी सेवाओं को बनाए रखने के लिए तैयारियां की गई हैं. उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ ने 65 टीमों को तैनात किया है और 20 और टीमें स्टैंडबाय पर हैं. जहाजों और विमानों के साथ थल सेना, नौसेना और तटरक्षक बल के बचाव और राहत दलों को भी तैनात किया गया है। कैबिनेट सचिव ने इस बात पर भी जोर दिया कि कोविड रोगियों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और कोविड अस्पतालों और केंद्रों के कामकाज में व्यवधान से बचा जाए।

यूपी में कोरोना : 93.2 फीसदी हुई रिकवरी रेट, 24 घंटे में 6046 नए कोरोना केस

एजेंसी, लखनऊ

उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटे में 6046 नए कोरोना केस मिले हैं. सूबे में कोविड की स्थिति की जानकारी देते हुए अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल ने बताया कि देश में सब से ज्यादा टेस्ट यूपी में किए गए हैं. निगरानी समितियों के जरिए 17 करोड़ लोगों तक टीम पहुंची है. मरीजों को लगातार ट्रेस किया जा रहा है. जिन को लक्षण है, उन का टेस्ट किया जा रहा है और फिर इलाज मुहैया कराई जा रही है. उनका कहना है कि आंशिक कोरोना कर्फ़्यू और

वैक्सीनेशन का असर प्रदेश में दिख रहा है। अपर मुख्य सचिव ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज भी फील्ड में हैं. सीएम योगी ने गांव का दौरा किया है. लोगों से बातचीत की है. ग्राम निगरानी समिति के लोगों से फीडबैक लिया है. उनका कहना है कि पॉजिटिविटी रेट कम हुआ है. अब 1.97 फ़ीसदी पॉजिटिविटी रेट हो गया है. टेस्ट की संख्या 3 लाख के पार हो गई है. उनका कहना है कि 23 अप्रैल पीक था. 3 लाख 10 हजार से ज्यादा एक्टिव मामले थे. उस के बाद से मामले घटे हैं. टेस्ट लगातार बढ़ा है। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि पिछले 24 घंटे में 6046 नए कोरोना पॉजिटि केस मिले है. 17540 संक्रमित डिस्चार्ज किए गए है।

यूपी में खुला मौसम

एजेंसी, लखनऊ

हरियाणा और उत्तराखंड की सीमा से लगने वाले उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों को छोड़ दिया जाए तो प्रदेश के बाकी सभी जिलों में मौसम पूरी तरह खुल गया है. पौ फटने के साथ ही प्रदेश के लगभग सभी जिलों में तेज धूप निकली हुई है. इसके अगले चार-पांच दिनों तक यूं ही कायम रहने की संभावना है. हालांकि उत्तराखंड और हरियाणा की सीमा से लगे कुछ जिलों में हल्की बूंदाबांदी या फिर बादल लगने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार यह जरूर है कि बंगाल की खाड़ी में एक कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है।

सरकार ने वैक्सीन स्टॉक और डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइंस को अनदेखा किया : सीरम इंस्टीट्यूट

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के कई हिस्सों में वैक्सीन की किल्लत की खबरों के बीच सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर सुरेश जाधव ने बड़ा बयान दिया है। देश में कोरोना वैक्सीन कोवीशील्ड का उत्पादन कर रही कंपनी के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने वैक्सीन की किल्लत के लिए सरकार को जिम्मेदार बताया। उन्होंने कहा सरकार ने वैक्सीनेशन ड्राइव को बढ़ाने के दौरान वैक्सीन के उपलब्ध स्टॉक और वर्ल्ड हेल्थ

ऑर्गेनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) की गाइडलाइंस को ध्यान में नहीं रखा। एक कार्यक्रम के दौरान जाधव ने कहा कि भारत सरकार को डब्ल्यूएचओ की गाइडलाइंस को ध्यान में रखकर ही वैक्सीनेशन प्रोग्राम में लोगों को प्राथमकिता देनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि शुरुआत में 30 करोड़ लोगों को वैक्सीन दी जानी थी, जिसके लिए 60 करोड़ डोज की जरूरत थी।

टारगेट तक पहुंचने से पहले ही दायरा बढ़ाया

उन्होंने कहा कि हम टारगेट तक पहुंचते इससे पहले ही सरकार ने 45+ उम्र के सभी लोगों को वैक्सीन के साथ-साथ 18 साल से ज्यादा उम्र वालों के लिए भी वैक्सीनेशन खोल दिया।

ब्लैक फंगस बीमारी को लेकर राहुल ने मोदी सरकार को घेरा

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने देश में ब्लैक फंगस के बढ़ रहे मामलों को लेकर शनिवार को सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि 'मोदी सिस्टम के कुशासन' के कारण कोरोना महामारी के साथ यह बीमारी आई है।

उन्होंने ट्वीट किया, 'मोदी सिस्टम के कुशासन के चलते सिर्फ़ भारत में कोरोना के साथ-साथ ब्लैक फ़ंगस महामारी है. टीके की कमी तो है ही, इस नई महामारी की दवा की भी भारी कमी है.' कांग्रेस नेता ने तंज कसते हुए कहा, 'इससे जूझने के लिए प्रधानमंत्री ताली-थाली बजाने की घोषणा करते ही होंगे.' दूसरी

ओर, कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने देश में म्यूकोरमाइकोसिस (ब्लैक फंगस) के मामलों में बढ़ोतरी और जरूरी दवा की कथित कमी को लेकर चिंता प्रकट करते हुए शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से आग्रह किया कि इस बीमारी के मरीजों को राहत प्रदान करने के लिए तत्काल जरूरी कदम उठाए जाएं।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा 16 वीं स्वास्थ्य परिचर्चा संपन्न

कोविड काल में तीसरी लहर की चर्चा व बच्चों हेतु सावधानियों पर डॉ आलोक हेमल ने दिये सरल सूत्र

एजेंसी, नई दिल्ली

आज शनिवार सायंकाल आयोजित सोलहवीं स्वास्थ्य परिचर्चा में देश के प्रख्यात चिकित्सक निदेशक एवं प्रोफ़ेसर (डॉ.) आलोक हेमल जी का सानिध्य रहा।माइक्रोसॉफ्ट टीम सॉफ़्टवेयर के माध्यम से बड़ी बेबाक़ी से सरल सहज भावों से उत्तर दिये। डेढ घंटे

तक चली परिचर्चा में कोरोना की तीसरी लहर, ब्लैक फ़ंगस, श्वांस रोग, घर में रहने से उत्पन्न तनाव, वैक्सीन व इसके प्रभाव जैसे सभी प्रश्नों के उत्तर दिये गये।आज की इस परिचर्चा में 324 प्रश्न प्राप्त हुये थे, जिनके उत्तर डॉ.

आलोक हेमल जी ने सरलता व समझाइस के साथ दिये। कुल 3024 मोबाइल फ़ोन/ लैपटॉप/ आईपैड/ टीवी स्क्रीन पर 6217 लोगों ने सपरिवार इसका लाभ उठाया।देश विदेश की अनेक बड़ी हस्तियों ने व छोटे गॉंव तक रहने वालों ने सहभागिता करके लाभ उठाया।

पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास द्वारा आज आयोजित इस परिचर्चा का लोगों ने बेसब्री से इंतज़ार किया। न्यास के अध्यक्ष डॉ राकेश मिश्र ने कुशल संचालन करते हुए सभी प्रश्नों को श्रेणीबद्ध करते हुये बच्चों में नकारात्मक विचार, चिडिचिडापन, सर्दी जुकाम खांसी जैसी गंभीर बातों को समाहित करते हुये कहा कि यह परिचर्चा पुनः सुनने के लिये हमारे यूट्यूब चैनल *पं. गणेश प्रसाद मिश्र सेवा न्यास की स्वास्थ्य परिचर्चायें *https://www.gpmsevanyas.org* सब्सक्राइब करके देख सकते हैं। पुरानी सभी स्वास्थ्यवर्धक परिचर्चाओं को

संशोधित कर लगाया गया है ।

अगली परिचर्चा शीघ्र ही नये विषय पर देश के ख्यातिलब्ध चिकित्सा विशेषज्ञ के साथ होगी। न्यास की सचिव श्रीमती आशा रावत ने अंत में सभी का आभार व्यक्त करते हुये कहा कि न्यास द्वारा आयोजित परिचर्चा में सभी अधिकारियों, नागरिकों, पत्रकारों, छात्रों, शिक्षकों, महिलाओं, बच्चों व सहयोगियों का ह्रदय से आभारी हैं। न्यास सदैव सेवा कार्यों के प्रति समर्पित रहा है उसी श्रृंखला में यह आयोजन हो रहे हैं।

» न्यूज कैप्सूल

गेहूं की तुलाई कराये जाने की मांग को लेकर किसानों ने उपजिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

राठ। क्षेत्र के बरदा गांव में बने गेहूं खरीद केंद्र में 16 दिन से किसानों का गेहूं खरीद न होने से परेशान है। परेशान किसानों ने आज उपजिलाधिकारी अशोक कुमार यादव से शिकायत कर गेहूं की तुलाई कराए जाने की मांग की है। क्षेत्र के बरदा गांव में किसानों का गेहूं खरीदने के लिए क्रय केंद्र खोला गया है। जहां पर आसपास गांव के किसान अपना गेहूं बेचने के लिये आते हैं। धमना गांव के किसान दयाशंकर पुत्र लक्ष्मी प्रसाद ने बताया वह अपना 56 कुंटल गेहूं लेकर केंद्र पर 2 मई को पहुंचा था। केंद्र प्रभारी ने 4 मई को टोकन दिया था। लेकिन अभी तक उसका गेहूं नही खरीदा गया है। बताया कि, उसे गेंहू की तुलाई के लिए उसे प्रतिदिन वापस किया जा रहा है तथा वह लगभग 16 दिन से परेशान हैं। उसने बताया केंद्र पर ताला लगा हुआ है। बुधवार को परेशान किसान ने एसडीएम को शिकायती पत्र देकर गेहूं की तुलाई कराने की मांग की है।

दबंग ने वृद्ध कोटेदार के साथ की मारपीट

राठ। कोतवाली क्षेत्र के सैना गाँव में एक दबंग ने घर में घुसकर बृद्ध कोटेदार के साथ मारपीट कर दी। जब ससुर को पिटता देख उसकी बहू उसे बचाने के लिए आई तो उक्त दबंग ने उसे भी पीट दिया। मारपीट से घायल हुए वृद्ध ने राठ कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराकर आरोपी के विरुद्ध कार्यवाही की गुहार लगाई है। राठ कोतवाली क्षेत्र के सैना गाँव के निवासी गुलाब चन्द्र ने बताया कि वह अपने घर पर बैठा हुआ था तभी गाँव का ही युवक शशिकांत राजपूत पुत्र देवसिंह शराब के नशे में धुत होकर आया और गाली गलौज कर उसके साथ मारपीट करने लगा। बताया कि उसके साथ मारपीट होती देखकर उसकी बहू उसे बचाने के लिए आई तो उक्त युवक ने उसे भी पीट दिया। बताया कि शराबी युवक के द्वारा की गई मारपीट से उसे गम्भीर रूप से चोटें आईं हैं। मामले में पुलिस के द्वारा आरोपी के विरुद्ध हरिजन एक्ट व मारपीट का मुकदमा दर्ज कर घायल वृद्ध का मेडिकल परीक्षण कराया गया है।

कोरोना मरीज और प्रवासी मजदूरों का लेखा जोखा जुटाने के लिए बनायी निगरानी समिति

राठ। कोरोना मरीज व दूसरे बड़े शहरों से अपने घर आए प्रवासी मजदूरों का लेखा जोखा जुटाने के लिए ग्राम पंचायत स्तर पर बनाई गई निगरानी समिति को कोरोना बचाव हेतु सामग्री न दिए जाने पर यह समिति गांव में बहुत ही धीमी गति से कार्य कर रही है।जिससे गांव में कोरोना के मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी को काबू कर पाना असंभव नजर आ रहा है। ऐसी स्थिति में गांव की बुद्धि जन दहशत में हैं। बताते चलें कि जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा होते देख जिलाधिकारी ने प्रत्येक ब्लॉक में तैनात सचिवों को अपनी-अपनी ग्राम पंचायत पर आंगनवाड़ी कार्यकत्री, स्वयं सहायता समूह के सदस्यों व सफाई कर्मियों इत्यादि की निगरानी समिति बनाकर गांव में बीमार लोगों का व दूसरे बड़े शहरों से आए प्रवासी मजदूरों का लेखा जोखा रखने की जिम्मेदारी दी थी। जिसमें उन्हें ग्राम पंचायत सचिवों द्वारा कोरोना से बचाव हेतु सामग्री उपलब्ध कराना भी सुनिश्चित किया गया था। निगरानी समिति के सदस्यों ने बताया कि ग्राम पंचायत सचिवों ने सरकार द्वारा निगरानी समिति के सदस्यों को कोरोना से बचाव हेतु उपलब्ध कराया जाने वाले सामान की धनराशि स्वयं हजम कर ली। जिससे वे लोग पीपीई किट, सैनिटाइजर व मास्क सहित अन्य जरूरी सामग्री न होने पर गांव में बीमार पड़े लोगों व प्रवासी मजदूरों के आगमन की उचित जानकारी नहीं रख पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में गांव के बुद्धिजीवी लोगों में आगामी समय में होने वाले कोरोना विस्फोट को लेकर दहशत है।

केंद्र से गेहूं का उठान न होने से किसान हो रहे परेशान

बिवार (हमीरपुर)। केंद्र से गेहूं का उठान न होने से किसान अपना गेहूं बेचने के लिए परेशान होकर इधर उधर भटकने को मजबूर है। बताया गया कि कस्बे से तीन किलमीटर दूर भारखरी में केंद्र बनाया गया है।जिसमें 15 जून तक सात हजार कुंतल गेहूं की खरीद होनी थी। जिनमें अब तक तीन हजार आठ सौ कुंतल खरीद हो चुकी है। लेकिन केंद्र से गेहूं का उठान न होने पर किसानों से गेहूं की खरीद बंद हो गई है।केंद्र प्रभारी ने बताया कि उच्च अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई है। वहीं 20 मई को पीसीएफके जिला प्रबन्धक को गेहूं की उठान कराने के लिए प्रार्थना पत्र भी दिया गया है। लेकिन अभी तक गेहूं कि उठान होने से दर्जनों किसान केंद्र में अपना गेहूं रखे इंतजार कर रहे है।

साली के विवाह में आये जीजा की हुई मौत, मचा कोहराम

राठ। कोतवाली क्षेत्र के ओंडेरा गाँव में अपनी साली के विवाह में शामिल होने के लिए आये जीजा की अत्यधिक शराब के सेवन से मौत हो गई। जब विदाई कार्यक्रम के बाद लोगों को घटना की जानकारी प्राप्त हुई तो विवाह की खुशियों के माहौल में कोहराम मच गया। मृतक के साले सतीश कुमार पुत्र आशाराम विश्कर्मा ने बताया कि, उसकी बहन रानी का विवाह शुक्रवार को सम्पन्न हुआ था तथा आज उसकी बहन रानी का विदाई कार्यक्रम चल रहा था। बताया कि, विवाह में शामिल होने के लिये उसके जीजा वीरेन्द्र पुत्र चूरामल निवासी ग्राम बरदा आया हुआ था। बताया कि, उसके जीजा ने आज सुबह नाश्ता करके घर के अंदर वाले कमरे में सोने के लिये चला गया तथा वह सभी लोग विदाई कार्यक्रम में उलझ गये तथा विदाई कार्यक्रम के बाद उन्होंने अपने जीजा वीरेंद्र की खोजबीन की तो वह घर के अंदर कमरे में अचेतावस्था में पड़ा हुआ था। जिसके बाद वह लोग उसे राठ सीएचसी ले गये जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। बताया कि, उसका जीजा वीरेन्द्र अत्यधिक शराब का लती था तथा वैवाहिक कार्यक्रमों के दौरान भी वह शराब पीता रहा बताया कि, अत्यधिक शराब पीने के वजह से ही उसकी मौत हुई है। मृतक अपने पीछे अपनी पत्नी ज्ञान सहित 6 वर्षिय पुत्र हिमांशु व चार वर्षिय पुत्री हिमांशी को रोता बिलखता हुआ छोड़ गया है। वहीं अचानक हुई इस घटना से मृतक के परिवार व रिश्तेदारों में कोहराम मचा हुआ है व परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

जलभराव से परेशान ग्रामीणों ने आक्रोशित होकर किया हंगामा व लगाया जाम

राठ। कोतवाली क्षेत्र के नदना गाँव में हो रहे जलभराव से परेशान दर्जनों ग्रामीणों ने बन रहे एक्सप्रेस वे के पास जमकर हंगामा कर जाम लगा दिया। जिसके बाद मौके पर पहुंचे बुंदेलखंड एक्स्प्रेस वे के निर्माण कार्य की कार्यदायी संस्था यूपीडा के अधिकारियों व कर्मचारियों ने हो रहे जल भराव की समस्या के निस्तारण का आश्वासन देकर ग्रामीणों को समझाया बुझाया तथा जल निकासी की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। जिसके बाद ग्रामीणों का गुस्सा शांत हो सका बता दें कि, ग्रामीणों का कहना था कि, बुंदेलखंड एक्स्प्रेस वे का निर्माण कर रही संस्था ने बने नाले को बंद कर दिया है। जिससे नदना बहपुर गाँव में जलभराव हो जाता है। जिस वजह से उन सभी ग्रामीणों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है।उन्होंने जल निकासी की समुचित व्यवस्था कराये जाने की मांग की है।

बगैर पूर्व योजना के जल्दबाजी में खुदवाया नाला अधूरा छोडना ईओं और सफाई निरीक्षक के लिये बना गले की फांस

ऐपेडिमिक एक्ट के तहत नागरिकों ने की कार्यवाही की मांग

पेडिमिक पब्लिक ग्रीबोस केमटी ने लिया मामला गंभीरता से

कमेटी के सदस्य अपर जिलाधिकारी प्रमिल कुमार ने अधिशाषी अधिकारी को तुरंत नाला निर्माण के दिये निर्देश

उरई/जालौन। बीते माह नगर के झांसी रोड स्थित चैधरी चरण सिंह इंटर कालेज के सामने अवरूध पडे नाले की बिना किसी पूर्व योजना के यकायक खुदाई कर उसे बीच में अधूरा छोडना अब नगर पालिका के ईओं संजय कुमार और सफाई निरीक्षक अशोक कुमार के लिये गले की फांस बनता जा रहा है स्थानीय नागरिकों ने पालिका की इस लापरवाही को जिला प्रशासन सहित पेंडिमिक पब्लिक ग्रीबान्स कमेटी के समक्ष रखते हुये जिम्मेदार अधिकारियों के विरूदध कार्यवाही की मांग की है। गौरतलब हो कि नगर के झांसी रोड स्थित चैधरी चरण सिंह इंटर कालेज के समीप पानी निकासी के लिए जेसीबी मशीन से दस फीट

गहरी सात फुट चौड़ी और लगभग सवासौ फुट लम्बा नाला नागरिकों के दरबाजे के सामने खुदाई कराई जिससे नागरिकों का घर में प्रवेश बन्द हो गया हालांकि इस बीच स्थानीय भवन स्वामियों ने पालिका के अधिकारियों से गुहार लगायी कि नाले की खुइाई के बाद उसे खुला न छोडा जाये और उसका निर्माण करा दिया जाये ताकि बढते कोरोना संक्रमण के दौरान उन्हें खतरें की आशंकाओं से बचाया जा सके और अपने घरों में आ जा सकें लेकिन विडंबना यह रही कि पालिका के जिम्मेदार अधिकारियों ने नाले की खुदाई तो करा दी किन्तु उसके ढके जाने या निर्माण कराने को लेकर तत्परता नही दिखलायी मामला उस वक्त बिगड गया जब खुले नाले की दुर्गंध और गंदगी के बीच ही स्थानीय वासिंदे अवधेश कुमार निरंजन कोरोना संक्रमित पाये गये यही नही नाले के समीप पीछे गली में भी कोरोना पाजीटिव मामला आने से लोगो की चिंतायें बढ गयी बहरहाल लंबे समय तक नाले के अधूरे पडे होने के मामले को लेकर अब एक बार फिर स्थानीय लोगो ने प्रशासन और जिम्मेदार न्याायिक अधिकारियों से गुहार लगायी है। मामले के पीडि़त पक्ष के अवधेश कुमार ने बताया कि उन्होंने गत दिवस मामले को लेकर पेडमिक पब्लिक ग्रीबोस कमेटी को इस सम्बन्ध में में एक शिकायती प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया किया जिस पर समिति ने प्रार्थना पत्र को गंभीरता से लेते हुये समिति के सदस्य अपर जिलाधिकारी श्री प्रमिल कुमार ने तत्काल नगर पालिका अधिशासी अधिकारी संजय कुमार को जो पहले से ही वहाँ मौजूद थे इस दिशा में गंभीरता से कदम उठाने के निर्देश दिये है। वही शिकायत कर्ताओं का स्पष्ट कहना है कि यदि नगर पालिका नाले के निर्माण कार्य को अतिशीघ्र पूर्ण नही कराती तो वह चुप नही बैठेंगे।

बीहड़ क्षेत्र में ग्रामीणों को लगाई गई वैक्सीन

माधौगढ़/जालौन। कोरोना वैश्विक महामारी को लेकर संक्रमण की रोकथाम के लिये लोगों को वैक्सीन लगवाने के लिये प्रेरित किया जा रहा है वैक्सीन लगाये जाने को लेकर अफवाहों के चलते लोग वैक्सीन लगवाने से साफ तौर पर इंकार भी कर रहे है इसके लिये लोगों को जागरुक किया जा रहा है कि लोग अधिक से अधिक कोरोना वैक्सीन लगवाये ताकि इस बढ़ते संक्रमण से लोगों को निजायत मिल सके इस दौरान बीहड़ क्षेत्र के ग्राम लोहई में वीडियो कुठौंद राकेश पाण्डेय, स्वास्थ्य विभाग से अरुण तिवारी, एडीओ पंचायत महाराज सिंह व नवनिर्वाचित प्रधान श्रीकांत दीक्षित, कोटेदार मुन्नीलाल चतुर्वेदी मौजूद रहे तो वहीं विकास खण्ड अधिकारी राकेश पाण्डेय ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोग वैक्सीन की अफवाहों से वैक्सीन लगवाने के लिये भ्रमित है इसके लिए लोगों को जागरुक होने की जरुरत है तो वहीं लोगों को अधिकांश जागरुक भी किया जा रहा है ताकि वैक्सीन लगाकर इस भयावह संक्रमण को रोका जा सके अधिकांश तौर पर वैक्सीन के लिए लोग जागरुक भी हुए है व लगभग अधिकांश ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को वैक्सीन लगवायी जा चुकी है।

सपा यूथ बिग्रेड के कार्यकर्ताओं ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

पुलिस द्वारा पत्रकारों उत्पीड़न के विरोध में कलेक्ट्रेट पहुंचे संगठन के लोग

उरई/जालौन। पुलिस द्वारा पत्रकारों के साथ उत्पीड़न एवं फर्जी मुकदमा दर्ज करवाये जाने के विरोध में आज शनिवार को सपा यूथ बिग्रेड पूर्व प्रदेश सचिव सलमान सिददकी के नेतृत्व में अनूप बाल्मीकि, रवीन्द्र यादव, अजमेरी खान, मनीष श्रीवास सहित आदि संगठन के लोगों ने

कलेक्ट्रेट पहुंच कर पत्रकार उत्पीड़न के विरोध में राज्यपाल को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम को भेंट किया। प्रशासन को ज्ञापन देते हुए संगठन के लोगों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि पुलिस द्वारा पत्रकारों के विरुद्ध दर्ज किये गये फर्जी मुकदमे वापस लिए जाये तथा दोषी वर्तमान मंडी चौकी इंचार्ज अभिषेक सिंह के खिलाफ कड़ी कार्यवाही अमल में लायी जाये जिससे पत्रकारों को उचित न्याय मिल सके अन्यथा की स्थिति में संगठन के लोगों को आंदोलन करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है।

प्रधानमंत्री गारण्टी योजना के तहत बने कैटल शेड में हुई भारी धांधली

पीड़ित परिबार लगा रहा न्याय की गुहार

अधूरे पड़े गरीबों के आश्रय स्थल,दरबाजे,प्लास्टर, छत गायब

भाजपा जिलाउपाध्यक्ष ने भी अधिकारियों पर जड़े आरोप

बंगरा। केंद्र की मोदी भाजपा सरकार और सूबे की योगी सरकार गरीबों के लिए तमाम लाभकारी कल्याणकारी योजनाओं को दे रही है ,इन योजनाओं के नाम पर जमकर सरकारी धन खर्च किया जा रहा है लेकिन हकीकत में इन लाभकारी योजनाओं का सही लाभ गरीबों को न मिलकर बिचौलियों को मिला है।जिसका जीता जागता उदाहरण बंगरा में बना प्रधानमंत्री राष्ट्रीय ग्रामीण गारण्टी योजना के तहत कैटल शैड है। गौरतलब है कि बंगरा में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण गारण्टी योजना के तहत जो दर्जनों कैटल शैड बनबाये गये उनमें निबर्तमान प्रधान और भृष्ट अफसरों ने जमकर मनमानीं की। बताते चलें कि बंगरा की रानी देवी अहिरबार

का कैटल शैड जिसको पशु आश्रय स्थल भी कहते हैं जोकि वित्तीय बर्ष 2019-2020 में बनबाया गया जिसके नाम पर डेड़ लाख रुपये की धनराशि आवंटित हुई लेकिन प्रधान और सरकारी पदों पर बैठे जिम्मेदार लोगों ने पूरी धनराशि ठेकेदार के माध्यम से निकाल ली और आश्रय स्थल अधूरा छोड़ दिया। पीड़ित रानी देवी अहिरबार बंगरा ने बताया कि उन्होंने कई बार इसकी शिकायत की लेकिन कोई सुनबाई नहीं हुई,उनका कैटल शैड आश्रम स्थल एक साल अधिक से अधूरा पड़ा है कोई अधिकारी नहीं सुन रहा है,छत अधूरी डली है,प्लास्टर नहीं हुआ है,आधा कार्य अधूरा पड़ा है , दरबाजे नहीं लगाये गये। कई बार ब्लॉक में एडीओ से लेकर कई अधिकारियों को बताया लेकिन अभी तक स्थिति जस की तस है उन्होंने न्याय की मांग की है।

भाजपा अनूसूचित मोर्चा बर्ग के जिलाउपाध्यक्ष तुलाराम अहिरबार मास्टर ने इस सम्बंध में बताया कि बंगरा ब्लॉक में जमकर मनमानीं चल रही है कई अधिकारी खुलेआम भ्रष्टाचार पर उतारू हैं,भाजपा सरकार की नीतियों के खिलाफ कई अधिकारी काम कर रहे हैं जिससे योगी सरकार की कई योजनाओं को पलीता लग रहा है। भाजपा के जिलाउपाध्यक्ष तुलाराम मास्टर ने बंगरा ब्लॉक के कुछ लापरबाह अधिकारियों की जांच कराने की मांग की है एवं ब्लॉक में बने पशु आश्रय स्थल,कैटल शैड में हुई धांधली की जांच कराये जाने की मांग की है।

गौशालाओं के नाम खूब हो रही मनमानीं ,गौशालाये खाली हैं फिर भी भूसे के नाम पर आबंटित हो रहा पैसा

देखभाल के नाम पर खूब हुई लूटखसोट

अव्यबस्थाओं की भेंट चड़ गईं दर्जनों गौशालाएं

सैकड़ों की छमता लेकिन मौके पर मिले चंद गौबंश

योगी सरकार की गोशालाओं में खूब हो रही धांधली

खुले में बर्बाद हो रहा भूसा,देखभली की भारी कमियां

जाली,छप्पर,बिजली कीमती सामान हो गया गायब

बंगरा। सूबे की योगी सरकार ने गोशालाओं के नाम पर लाखों रुपये जमकर ड़र्च कर दिए लेकिन मुख्यमंत्री के मंसूबों पर पानी फिरता दिख रहा है। गौरतलब है कि अन्ना जानबरों की उचित व्यबस्था के लिए उनके ठहरने,खान पान के लिए गोशालाओं में अभी जरूरी प्रबन्ध किये गये जिस पर यूपी सरकार ने प्रत्येक गोशाला के नाम पर लाखों रुपये खुलकर खर्च किये,बताते चलें कि भूसा के नाम पर प्रत्येक गोशालाओं में लाखों रुपयों की चेकें जमकर काटी गईं और खूब मनमानीं कई निवर्तमान पुराने प्रधानों ने भृष्ट अफसरों ले साथ मिलकर की। भूसा,पानी,सो सज्जा,बिजली,सुरक्षा के नाम पर लाखों रुपये खर्च किये गये लेकिन अगर धरातल पर देखा जाये तो अब अधिकतर सभी जरूरी व्यबस्थाओं को ग्रहण सा लग चुका है।

कई गोशालाओं में भूसा गायब है तो कई जगहों पर खुलेआम पड़ा हुआ है और हबा,पानी मे बर्बाद हो रहा,गोशालाओं की रखबाली कर रहे लोगों ने बताया भूसा सड़ रहा है कोई उचित व्यबस्थाएँ नहीं है,कोई जिम्मेदार अधिकारी देखने तक नहीं आते हैं।

गौरतलब है कि बंगरा ब्लॉक की दर्जन गोशालाओं के हालात खराब हैं,सैकड़ों गौबंश की छमता बाली गोशालाओं में गौबंश नहीं है,कई गौशालाएं खाली पड़ी हुई है,तो कई जगहों पर जो चंद जानबर मौजूद हैं बो भूँख प्यास से तड़प रहे हैं। गौरतलब है कि बंगरा सहित धबारी, पठाकरका, मगरबारा, जाबन, मगरपुर, चौकरी, अड़जार, खिसनी सहित कई बड़ी गोशालाओं के हालात बहुत ही बदतर हैं,इन गोशालाओं में गौबंश गायब हैं,साथ ही कई ट्रॉली रखा गोबर भी गायब हो चुका है।

कई जगहों पर तार फेंसिंग, जाली,टीन छप्पर,फाटक गायब हो चुके हैं। चंद गौबंश जिन गोशालाओं में पाये गये वो गंदा सड़ा पानी पी रहे हैं,कोई उचित देखभाल नहीं हो रही है। दर्जनों गोशालाओं के हजारों गौबंश गायब है सिर्फ चंद उंगलियों पर गिने जाने बाले गौबंश मिले। देखरेख की भारी कमी सामने आई है,बताते चलें कि प्रधान तो बदल गये लेकिन कई जगहों पर व्यबस्थाएँ अभी जस की तस बनी हुई हैं। सूचना पटल पर निर्वतमान प्रधानों के नंबर,जो अधिकारी महीनों पहले बदल गये उनके नंबर अब भी अंकित हैं,व्यबस्थाएँ वही पुरानी चल रही हैं।

गोशालाओं से हजारों के टीन शेड,जालियां,बिजली उपकरण, कई ट्रॉली गौबर गायब देखने को मिला। सड़कों पर अब वही पुरानी सैकड़ों अन्ना जानबरों की भीड़ दिखने लगी है।

भारी अव्यबस्थाओं की भेंट चड़ चुकी हैं दर्जनों गोशालायें।

बंगरा सहित कई गोशालाओं की देखभाल करने बाले चौकी दारों ने बताया कि कोई भी अधिकारी महीनों से देखने तक नहीं आया,चौकीदारों ने बताया कि गोशालायें हाइवे किनारे बनी हुई हैं पूरे दिन कई बड़े अधिकारी,नेता,जनप्रतिनिधियों की फौज यहीं से निकल जाती है लेकिन कोई रुकता तक नहीं,उनको विगत छह माह से अधिक का मानदेय नहीं मिला है,चौकीदारों ने कई अव्यबस्थाओं के बारे में खुलकर बताया और निवर्तमान प्रधानों की कारगुजारियों को उजागर करते हुये ,गोशालायें की बदहाल व्यबस्थाओं पर विस्तार से बताया।

वहीं जब ब्लॉक के एक बड़े अधिकारी से इस बात पर पूंछा गया तो उन्होंने टालमटोल करना शुरू कर दिया और जानकारियां देने से जिम्मेदार अधिकारी बचते नजर आये।

जानकारी अनुसार बताते चलें कि ब्लॉक बंगरा अन्तर्गत 20 से अधिक गोशालायें संचालित हो रही हैं लेकिन अधिकतर सभी के हालातों पर अगर ईमानदारी से बात की जाये तो जिम्मेदार लोगों ने और निवर्तमान कई प्रधानों ने जमकर मनमानीं की और योगी सरकार की इस मुहिम को पलीता लगाकर सूबे के मुख्यमंत्री को ठेस पहुंचाने की कोशिश की है,अब चुनोती इस बात की है कि इन लापरबाहों की साख पर कार्यबाही की हिम्मत कौन जुटाने की कोशिश करता है।

कई गो आश्रय स्थल ,गोशालाओं के नाम पर खुलेआम लाखों के सरकारी बजट की लूट खसोट योजना के नाम पर होती रही,कौन कितना कमाता है ये होड़ देखने को खूब मिली लेकिन समाज और धर्म के कुछ दुश्मन ये भूल गये की जिस गौमाता के नाम पर गोशालायें चला रहे हैं और उन्हीं को हम पूजते हैं,उन्हीं के नाम पर मतलबी पैसा ठिकाने लगा रहे हैं।

प्रत्येक गोशाला के नाम पर 10 से 20 लाख से अधिक खर्च किये गये लेकिन अव्यबस्थाओं की पोल चंद महीनों में खुलती नजर आ रही है। जिम्मेदार लोगों ने बताया कि अधिकतर गोशालाओं में दर्जनों गौबंश मृत हो चुके हैं उनका कोई लेखा जोखा स्पस्ट नहीं है।

गोशालाओं के नाम पर बड़ी मनमानीं हुई है अब देखना ये होगा को जिले के मुखिया जिलाधिकारी और सूबे के मुख्यमंत्री आखिर इस पर क्या कार्यबाही और कब तक अमल में लाते हैं।

चड़राऊधबारी के नवनिर्वाचित युवा प्रधान दीपक कुमार का कहना है कि वह गौशालाओं में सच्चे मन से गौ सेवा करना चाहते हैं,धबारी में एक भी गौबंश नहीं हैं,गोशाला में भूसा,चारा कुछ भी नहीं है,विगत ढाई महीने से धबारी में बनी गौशाला पूरी खाली है ,फिर भूसा के नाम पर सरकारी धन आबंटित अब भी किया जा रहा है अभी इसकी आवश्यकता नहीं है। धबारी प्रधान दीपक का कहना है कि गोशालाओं की गायें टैग लगी हुई दर्जनों की संख्या में खुलेआम बिचरण कर रही हैं जिसकी बजह से किसानों को भारी नुकसान हो रहा है,प्रधान सहित ग्रामीणों ने अधिकारियों से मदद की मांग की है।

» न्यूज कैप्सूल »

डीएम-एसपी ने किया निरीक्षण

बांदा। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन के मद्देनजर जिलाधिकारी आनन्द कुमार सिंह ने पुलिस अधीक्षक के साथ ग्राम जमालपुर, न्यू प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बड़ोखर खुर्द एवं ग्राम तिंदवारा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ज्वाइन्ट मजिस्ट्रेट, उपजिलाधिकारी सदर सुधीर कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी डा. एनडी शर्मा, जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी एसके बघेल, तहसीलदार सदर अवधेश कुमार निगम सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। जिलाधिकारी द्वारा जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित किया गया कि गांव की साफ-सफाई आदि की व्यवस्था तत्काल कराई जाए।

कोरोना के प्रति जागरूक करेगी अपराध निरोधक समिति

बांदा। जिला अपराध निरोधक समिति के सचिव व पदेन जेल पर्यवेक्षक वीपी पांडेय ने कहा कि कोरोना की रोकथाम के लिए वैक्सीन लगवाना बहुत ही जरूरी है। यह कोरोना से बचाव में एक प्रभावी अस्त्र का कार्य करती है। बिना टीकाकरण के हम अपनी कोविड-19 संबंधी रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्युनिटी) नहीं बढ़ा सकते, ऐसे में टीकाकरण की दोनो डोज अनिवार्य रूप से लगवाएं। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही न बरतें। यह सलाह उत्तर प्रदेश अपराध निरोधक समिति के सचिव एवं पदेन जेल पर्यवेक्षक वीपी पांडेय ने दी। पांडेय ने बताया कि टीकाकरण की दोनो डोज लगवाना बहुत ही जरूरी है। इससे व्यक्ति के कोरोना पाजिटिव होने पर भी उसके गंभीर होने की संभावना कम है। आधार कार्ड व पहचान पत्र के साथ कोई भी व्यक्ति सरकारी अस्पताल पहुंचकर नि:शुल्क टीकाकरण करा सकते हैं। श्री पांडेय ने बताया कि आम जनता को जागरूक करने के लिए जिला कमेटी, नगर कमेटी, तहसील कमेटी और वार्ड कमेटियों को कोविड-19 के बचाव के लिए लोगों को जागरूक करना है। यह सभी समितियां अपने स्तर से अपने क्षेत्र में कोरोना से बचाव के लिए जागरूकता और कोविड टीकाकरण को प्रोत्साहित करेगी।

एसडीएम ने वैक्सीनेशन के लिए किया प्रेरित

नरैनी। कोरोना वायरस से जीवन रक्षा के लिए सभी को वैक्सीन लगवा लेना चाहिए। लहुरेटा गांव पहुची एसडीएम ने ग्रामीणों से बात कर वैक्सीनेशन के लिए प्रेरित किया।निगरानी समिति की बैठक को भी सम्बोधित किया। क्षेत्र के लहुरेटा गांव में उपजिलाधिकारी वन्दिता श्रीवास्तव ने निगरानी समिति की बैठक में ग्राम प्रधान और कर्मचारियों से बात कर गांव के हालातों की जानकारी ली। बाद में गांव में घूमकर ग्रामीणों से बात की सभी से कहा कि कोरोना से खुद की और परिवार की रक्षा के लिए वैक्सीनेशन कराना जरूरी है। अफ्वाहों पर ध्यान न दे यह पूरी तरह सुरक्षित है। इस दौरान सहायक विकास अधिकारी रमेशचंद्र कुशवाहा, ग्राम प्रधान फैमीदा खातून, रोजगार सेवक कमलेश कुमार, पूर्व ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अब्दुल रशीद सहित तमाम ग्रामीण मौजूद रहे।

पांच दिनों में 275 युवकों का हुआ वैक्सीनेशन

नरैनी। राजस्व गांवो में रोगियों की जांच का काम पूरा कर लिया गया है। 18 से अधिक उम्र के सभी लोगों के टीकाकरण के लिए स्वास्थ विभाग की कई टीमें गांवों में प्रेरणा दे रही हैं। पांच दिनों में 18 प्लस उम्र के 275 युवकों का वैक्सीनेशन किया गया है। चिकित्साधीक्षक डा. देव तिवारी ने बताया कि क्षेत्र के 129 राजस्व गांवो में संभवित रोगियों की जांच का कार्य पूरा कर लिया गया है। गांव की निगरानी समितियों, आशा कार्यकर्ती, व त्वरित राहत टीम (आरआरटी) द्वारा 1935 दवाओं की किटे बांटी जा चुकी हैं। दवा वितरण का कार्य अभी जारी है। अधीक्षक ने बताया कि वैक्सीनेशन की गति बढ़ाने के लिए सीएचओ और आशा की टीमों को गांवो में लोगो को जागरूक और रजिस्ट्रेशन कराने के लिए लगाया गया है। 17 मई से 21 मई तक, 18 से 45 उम्र के 275 युवाओं को वैक्सीनेट किया गया है। आरटीपीसीआर और एंटीजन जांचे करने के लिए चार-चार सदस्यीय चार टीमें रोज नमूने लेने का काम कर रही हैं।

लोडर पलटने से युवक की मौत

दोस्त की शादी से वापस लौटते समय हुई दुर्घटना

बांदा। दोस्त की शादी में शामिल होने के बाद लोडर में बैठकर घर वापस लौट रहा युवक लोडर पलट जाने से गंभीर रूप से जख्मी हो गया। उसे जिला अस्पताल लाया गया, वहां पर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। शहर के निम्नीपार मुहल्ला निवासी बबलू (21) पुत्र रामस्वरूप शुक्रवार को अपने दोस्त की शादी में शामिल होने कमासिन क्षेत्र के गांव गया था। शादी में शामिल होने के बाद वह डीजे वाहन के लोडर में सवार होकर घर वापस आ रहा था, तभी कमासिन से पांच किमी पहले अनियंत्रित होकर लोडर पलट गया। इससे लोडर में सवार बबलू गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगीरों की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को उठाया और जिला अस्पताल भिजवाया। जिला अस्पताल में उपचार के दौरान बबलू की मौत हो गई। बबलू की मौत की खबर मिलते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

सीएससी केंद्र छानी में चल रहे वैक्सिनेशन का जिलाधिकारी ने लिया जायजा

हमीरपुर। आज जिलाधिकारी डॉ ज्ञानेश्वर त्रिपाठी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र छानी का निरीक्षण कर वहाँ चल रहे वैक्सिनेशन कार्यो तथा कोविड-एल-1 की तैयारियों का जायजा लिया। वैक्सिनेशन की धीमी प्रगति पर जिलाधिकारी ने निगरानी समिति को वैक्सीनेशन के प्रति डोर टू डोर सर्वे के दौरान लोगों को जागरूक करने के निर्देश दिए । इस मौके पर जिलाधिकारी ने ग्राम प्रधान एवं ग्रामीणों से भी बात कर उनको वैक्सीनेशन के प्रति लोगों को जागरूक करने की अपील की तथा गांव में हुए साफ सफाई सैनेटाइजेशन ,फगिंग, एंटी लारवा छिड़काव तथा डोर टू डोर सर्वे के बारे में जानकारी प्राप्त की।

पंचायत चुनाव में सरकार की लापरवाही का परिणाम आम जनता को भुगतना पड़ा

पूर्व सपा विधायक दीपनारायण सिंह यादव ने कोरोना काल में सरकार को हर मोर्चे पर विफल बताया

गुरसराय। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सरकार की लापरवाही का परिणाम सरकारी कर्मचारियों सहित आम जनता को भुगतना पड़ा। कोरोना महामारी काल में सरकार हर मोर्चे पर विफल।उक्त बात समाजवादी पार्टी के पूर्व गरौठा विधायक दीपनारायण सिंह यादव ने पत्रकार वार्ता के दौरान कही। आगे उन्होंने कहा कि कोरोना में बिगड़ी चिकित्सीय व्यवस्थाओं के चलते जहां हजारों लोगों को अपनी जान गवांनी पड़ी। किसी ने पिता खोया तो किसी मां चल बसी तो किसी का भाई चला गया तो कोई बगैर बहिन के रह गया। आखिरकार दूसरे दौर की इस महामारी ने सरकार की लापरवाही को उजागर कर दी और जिसका परिणाम आम जनता को भुगतना पड़ा। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जहां सरकारी कर्मचारियों को बगैर टीकाकरण एवं जांच के दबाव बनाकर कार्य करवाया गया और उसका परिणाम यह रहा कि हजारों परिवार के लोग बेसहारा हो गये। इसके पीछे दोषी कौन है। सरकार को चाहिए कि जल्द ही ऐसे परिवार को नौकरी सहित मुआवजा दिया जाय। भाजपा की कथनी और करनी में अंतर है। सरकार चाहिए कि चिकित्सकों को गांव गांव पहुंचाकर समुचित आम जनमानस का टीकाकरण करवाये और ग्रामीण क्षेत्रों में बंद पड़े उप स्वास्थ्य केन्द्रों को व्यवस्थित तरीके से खुलवाये और प्रतिदिन डाक्टरों की उपस्थित दर्ज हो। प्रदेश में आज भी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर स्टाफ की कमी होने की वजह से लोग इलाज के आभाव में दम तोड़ रहे हैं। इसके बाद भी प्रदेश सरकार उदासीन है। आगे उन्होंने कहा कि नगर गुरसराय में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में जहां लोग डाक्टरों को भगवान समझकर इलाज कराने आ रहे हैं। यहां तैनात एक चिकित्सक परिसर के अंदर खुलेआम प्राइवेट मरीजों का इलाज कर क्षेत्र की गरीब जनता का शोषण करने में लगा है और ऐसे चिकित्सक को जनप्रतिनिधियों का संरक्षण प्राप्त है। जो खुलेआम लूट खसोट मचाये हुये है। ऐसे चिकित्सकों के खिलाफ प्रशासन कार्यवाही क्यों नहीं करता। भाजपा सरकार में बड़ती मंहगाई ने जहां आम जनमानस की कमर तोड़ कर रख दी है वहीं युवा बेरोजगार हो गया है। भाजपा सरकार में केवल पूंजीपतियों का भला हुआ है। देश का किसान आज भी अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। और सरकार के पास सपने दिखाने के अलावा कुछ नहीं बचा। आने वाले समय में इसका मुंह तोड़ जबाव आम जनता देगी।

राजस्व अधिकारियों ने लाव लश्कर के साथ वैक्सीन लगवाने की दी सलाह

कुलपहाड़ (महोबा)। राजस्व प्रशासन ने आज शनिवार को पूरे लाव लश्कर के साथ पुरानी तहसील, सतियन पुरा, नेताजी वार्ड सोनक पुरा मुहल्ले में जाकर डोर टू डोर करोना जागरूकता अभियान चलाया गया, जिसमें 45 साल से अधिक उम्र वाले व्यक्तियों को वैक्सीनेशन कराने हेतु प्रेरित किया गया। उप जिलाधिकारी सुदन अब्दुल्ला के नेतृत्व में अपर उपजिलाधिकारी अरुण दीक्षित, तहसीलदार सुबोधमणि शर्मा, नायव तहसीलदार राधेश्याम गौड़ व चिकित्सक नवीन कुमार, चैयरमैन प्रतिनिधि अमित प्रताप सिंह, अधिशाषी अधिकारी निर्दोष कुमार, सभासद धर्मेंद्र यादव, वालंटियर रमेश यादव, लेखपाल व अध्यापक सहित प्रशासनिक अधिकारियों ने वैक्सीन से संबन्धित भ्रांतियों के बारे में लोगों से पूछा और उनका निराकरण किया। इस दौरान नगर पंचायत कर्मचारी, कोटेदार, स्वास्थ्य कर्मी भी मौजूद रहे।

कोरोना पाजिटिव गर्भवतियों की जान बचाना होगा आसान

मेडिकल कालेज में एक छत के नीचे मिल रहा इलाज

दो माह में आठ पाजिटिव गर्भवतियों के कराए गए प्रवस

बांदा। कोरोना पाजिटिव गर्भवती महिलाओं को अब कहीं भटकना नहीं पड़ेगा। एक ही छत के नीचे कोरोना की मरीजों को इलाज की सुविधा मिल रही है। राजकीय मेडिकल कालेज में कोरोना पाजिटिव गर्भवतियों के इलाज व प्रवस की सुविधा है। यहां दो माह में आठ गर्भवतियों के प्रसव कराए गए हैं। जिसमें चार प्रसव सामान्य व चार आपरेशन से हुए हैं।

कोरोना संक्रमण में स्वास्थ्य सेवाएं भी बाधित हो रही हैं। ओपीडी सेवा बंद होने के बाद लोगों को ई-संजीविनी और टेली कंसल्टेंसी के जरिए चिकित्सा सेवा मुहैया कराई जा रही है। कोरोना संक्रमित गर्भवतियों के इलाज और प्रसव का खास ख्याल रखते हुए मेडिकल कालेज में सुविधाएं दी जा रही हैं। प्राचार्य डा. मुकेश कुमार यादव ने बताया कि कोविड पाजिटिव मरीजों की डिलीवरी के लिए अलग से स्टाफ भी नियुक्त कर दिया गया है। प्रसव के लिए अलग से लेबर रूम की सुविधा है। उन्होंने बताया कि गाइडलाइन के मुताबिक चिकित्सा सेवा दी जा रही है। मेडिकल कालेज में कोविड मरीजों भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। लेकिन विषम परिस्थिति में नान पाजिटिव गर्भवती को भी प्रसव के लिए भर्ती किया जा सकता है। लेकिन ऐसी महिलाओं को पाजिटिव होने से बचाना बहुत ही मुश्किल है। अस्सिटेंट प्रोफेसर डा. सुनील कुमार ने बताया कि कोरोना काल में अप्रैल से अब तक आठ गर्भवतियों के प्रसव कराए गए हैं। इसके अलावा प्रसव पूर्व जांच भी की जा रही हैं।

चरखारी विधायक ने करवाया नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण

कुलपहाड़। मामला उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद के ग्राम बम्होरी कला व बमरारा का है,जहाँ चरखारी विधायक बृजभूषण राजपूत के प्रतिनिधियों द्वारा प्रधानमंत्री योजना के तहत ग्रामो में कोटेदारों से नि:शुल्क खाद्यान्न वितरण करवाया गया।आपको बता दें कोरोना महामारी कोविड-19 के चलते लोगो की हालत बद से बत्तर हो गयी जिसके कारण लोगो की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त होती हुई नजर आ रही है जिससे लोगो की आम जरूरते भी पूरी नही हो पा रही है ऐसे में लोगो की मदद के लिए तत्पर तैयार चरखारी विधायक ब्रजभूषण राजपूत हर संभव प्रयास करते नड़र आ रहे है। लोगो की समस्याओं को समझते हुए आज ग्राम बम्होरी कला व

बमरारा में प्रधानमंत्री द्वारा नि:शुल्क किये गए राशन का वितरण करवाया गया जिससे लोगो के चेहरे में रौनक देखने को मिली। चरखारी विधायक ब्रजभूषण राजपूत का कहना है कि वह लोगो की सेवा में हमेशा तत्पर रहेंगे व लोगो की हर संभव मदद की जायेगी।

मकान से जेवर और नगदी ले गए चोर

सूचना पाकर मौके पर पहुंची कोतवाली पुलिस, की पड़ताल

बांदा। आजाद नगर मुहल्ला स्थित घरों में अज्ञात चोरों ने मौका पाकर सोने-चांदी के जेवरात और नगदी चोरी कर ली। बाहर से घर लौटे गृहस्वामी ने देखा तो सामान बिखरा पड़ा हुआ था। मामले की सूचना पुलिस को दी गई। कोतवाल जय श्याम शुक्ला ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। साथ ही चोरी का जल्द ही खुलासा किए जाने का आश्वासन दिया है।

आजाद नगर मुहल्ले में मंजुल मयंक शुक्ल ने दी गई सूचना में बताया कि 20 मई को वह बाहर गए थे। जबकि मकान मालिक दिनेश कुमार लगभग एक महीने से अपनी रिश्तेदारी में गए हुए थे। शनिवार को जब वह वापस लौटे मकान में चोरी हो जाने का पता चला। चोर उनके तथा मकान मालिक के कमरों से लाखों के जेवरात और नगदी ले गए हैं। मुहल्लेवासियों ने बताया कि मकान के पास एक व्यापारी की दुकान है, वहां पर सीसीटीवी कैमरा लगा हुआ है। उन्हें उम्मीद है कि अगर इस सीसीटीवी फुटेज को देखा जाए तो चोरों तक पहुंचा जा सकता है। खबर पाकर नगर कोतवाली प्रभारी जयश्याम शुक्ला मौके

पर पहुंचे और जांच-पड़ताल करते हुए चोरी का खुलासा किए जाने का आश्वासन दिया है।

आयुक्त ने कोविड कमांड कंट्रोल का किया निरीक्षण

आयुक्त और जिलाधिकारी ने मातहतों को दिए आवश्यक दिशा निर्देश

बांदा। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित जनपद आगमन के मद्देनजर आयुक्त चित्रकूटधाम मण्डल दिनेश कुमार सिंह ने जिलाधिकारी आनन्द कुमार सिंह के साथ जनपद में करोना के संक्रमण के बचाव और रोकथाम के लिए स्थापित किए गए इंटीग्रेटेड कोविड कमाण्ड एण्ड कन्ट्रोल सेन्टर का औचक निरीक्षण किया गया। आयुक्त ने मुख्य विकास अधिकारी व नोडल अधिकारी आईसीसीसी को निर्देशित किया गया कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित

कार्यक्रम को दृष्टिगत रखते हुये सभी आवश्यक कार्यवाही तत्काल सुनिश्चित कराई जाए। मुख्यमंत्री की प्रस्तावित समीक्षा बैठक के दृष्टिगत हैलीपैड से लेकर कलेक्ट्रेट तक मार्ग की मरम्मत कराये जाने के लिए अधिशाषी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया गया। आयुक्त ने अधिशाषी अधिकारी, नगर पालिका परिषद को निर्देशित किया कि मार्ग की तत्काल साफ-सफाई, सेनेटाइजेशन तत्काल कराएं।

निमौनी की मुख्य सड़क पूरी तरह से उखड़ी

पीडब्ल्यूडी बिभाग नहीं दे रहा ध्यान

बंगरा। मुख्यालय बंगरा अन्तर्गत आने बाली प्रमुख ग्रामसभा निमौनी में डली हुई मुख्य सड़क पूरी तरह उखड़ गई है जिसकी बजह से ग्रामीणों सहित आसपास के इलाकों में निकलने बालों को बड़ी समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

गौरतलब है कि ग्राम निमौनी बंगरा की प्रमुख पंचायत मानी जाती है इस गाँव से अन्य कई बड़ी ग्राम सभाओं का भी जुड़ाव है,निमौनी से निकलने बाला यह प्रमुख रास्ता लोक निर्माण बिभाग के अंतर्गत आता है,इस मार्ग पर चंद समय पहले पीडब्लूडी बिभाग की ओर से डामरीकरण द्वारा सड़क डाली गई परन्तु अब पूर्णत: उखड़ चुकी है,सड़क में बड़े बड़े गड्ढे हो चुके हैं,मार्ग पर कीचड़,पानी का भराब बना रहता है। ग्राम के प्रधान राजकुमार मिश्रा सहित ग्रामीणों ने लोक निर्माण बिभाग से जनहित में देखते हुये जल्द सड़क मार्ग दुरुस्त कराने की मांग की है।ग्रामीणों ने बताया कि कई बार उखड़े मार्ग को सही कराने की मांग बिभाग से की गई लेकिन पीडब्लूडी बिभाग इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। ग्रामीणों ने उपजिलाधिकारी से समस्या समाधान की मांग की है।

चिकित्सा विभाग करेगा होम आइसोलेशन किट का वितरण

उरई/जालौन। कोविड-19 के संक्रमण को रोकने हेतु प्रत्येक विकास खण्ड में चिकित्सा विभाग द्वारा होम आइसोलेशन किट उपलब्ध करायी जा रही है। जिलाधिकारी द्वारा समस्त खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश किया गया कि प्रतिदिन कण्ट्रोल रूम व अन्य माध्यमों से मरीजों से पूछताछ एवं होम आइसोलेशन किट (दवाओं की किट) संक्रमित व्यक्ति तक पहुचाने का कार्य निगरानी समितियों द्वारा कराया जाये एवं समस्त निगरानी समितियों को पूर्ण रूप से सक्रिय किया जाये प्रत्येक ग्राम पंचायत में ऐसे व्यक्तियों को जिनको दोनो वैक्सीन लग चुकी है, ऐसे 5-5 व्यक्तियों का कोरोना चैम्पियन में चयन किया जायेगा और उनके माध्यम से गांव में टीकाकरण हेतु व्यक्यितों को घर-घर जा कर जागरूक कराया जाये।

कोरोना रोकथाम के लिए प्रभारी मंत्री ने ली जानकारी

जूम वीसी के जरिए हालात की समीक्षा की

बांदा। राज्यमंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान व प्रभारी मंत्री लाखन सिंह राजपूत ने जूम वीसी के करते हुए कहा कि कोविड गतिविधियों का पूरी तरह से पालन किया जाए। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। अंत्योदय कार्ड की पात्र गृहस्थी धारको को राशन मायोमेट्रिक से उपलब्ध कराया जाए। वैक्सीनेशन का विरोधी दल कुप्रचार कर रहे हैं, उस पर निगरानी रखी जाए। संगठित एवं असंगठित मजदूरों को नियमानुसार धनराशि दी जाए।

राज्यमंत्री श्री लाखन ने कहा कि कोविड-19 के नियमों का पूरी तरह अनुपालन किया जाए। इसके साथ ही ब्लैक फंगस के लिए भी सजग रहना होगा। अंत्योदय कार्ड की पात्र गृहस्थी धारको को राशन बायोमेट्रिक से उपलब्ध कराया जाए। वैक्सीनेशन का विरोधी दल कुप्रचार कर रहे हैं। उन पर निगरानी रखी जाए। संगठित एवं असंगठित मजदूरों को नियमानुसार धनराशि दी जाए। आक्सीजन प्लांट का नियमित अनुश्रवण करें। आरटीपीसीआर लैब जो स्थापित है, इसकी भी जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि रेमडेसीविर की कमी न होने पाए और मार्केट का समय निर्धारित कर लें। जनपद में आक्सीजन की कमी नहीं आने दी जाएगी। उच्च शिक्षा एवं माध्यमिक की पढ़ाई आनलाइन कराई जाए। आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति भी कराई जाए। जिलाधिकारी आनंद कुमार सिंह ने अवगत कराया कि जनपद में 48 आरआरटी टीम कार्यरत हैं जो टेस्टिंग का कार्य कर रहे हैं। 11 स्थाई जांच केंद्र बनाए गए हैं। जनपद में प्रतिदिन आरटीपीसीआर एवं रैपिड एंटीजन टेस्ट लगभग 2500 टेस्ट किए जा रहे हैं। जिला अस्पताल एवं राजकीय मेडिकल कालेज में ट्रूनाट विधि द्वारा प्रतिदिन 20 से 25 जांचे की जाती हैं। सभी निगरानी समितियों को सक्रिय कर दिया गया है। सभी टीमों के पास पल्स आक्सीमीटर एवं थर्मामीटर बाहर से आने वाले सभी व्यक्तियों की स्क्रीनिंग के लिए उपलब्ध हैं। जनपद में कोविड-19 के मरीजों के लिए एंबुलेंस चिन्हित की गई हैं।

जनपद के प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक-एक कुल 71 सेक्टर मजिस्ट्रेट तैनात किए गए हैं जिनका कार्य लक्षण युक्त मरीजों को मेडिकल किट उपलब्ध कराना एवं अपने-अपने क्षेत्र में भ्रमण कर लोगों को टीकाकरण के लिए प्रेरित करना है। जनपद में एकीकृत कोविड एंड कमांड कंट्रोल सेंटर स्थापित हैं। जहां 18 हेल्पलाइन नंबर एवं आठ होम आइसोलेशन मरीजों की ट्रैकिंग के लिए लाइन मौजूद है। एकीकृत कोविड एंड कमांड कंट्रोल सेंटर में तीन शिफ्ट में कुल 130 कर्मियों द्वारा सभी सक्रिय मरीजों की ट्रेसिंग एवं समस्याओं का निस्तारण किया जाता है। जनपद में तीन आक्सीजन प्लांट स्थापित किए जा रहे हैं जो कि पीएसए तकनीक पर आधारित हैं। राजकीय मेडिकल कालेज में यूपीपीसी संस्था द्वारा निर्माण कार्य किया जा रहा है, जिसका सिविल वर्क पूर्ण हो चुका है। प्लांट 31 मई 2021 तक स्थापित होने की संभावना है। दूसरा प्लांट जिला चिकित्सालय में पीएम केयर फंड से डीआरडीओ द्वारा स्थापित किया जा रहा है, जिसका सिविल वर्क प्रारंभ हो गया है तथा प्लांट जून माह तक स्थापित होना संभावित है। सीएचसी नरैनी में स्वीकृत आक्सीजन प्लांट सीएसआर फंड द्वारा डिपार्टमेंट आफ शुगर इंडस्ट्री एंड एक्साईज के माध्यम से लगाया जाएगा। यह भी जून माह में स्थापित होने की संभावना है। जनपद में कोविड वैक्सीनेशन की कुल डोज 115657, हेल्थकेयर वर्कर-11342, फ्रंटलाईन वर्कर- 5668 प्रथम डोज, 4132 द्वितीय डोज, 45-60 लाभार्थी 60 से ऊपर लाभार्थी-71943 प्रथम डोज, 14617 द्वितीय डोज, 18-44 वर्ष तक के लाभार्थी-7953 प्रथम डोज उपलब्ध है। बैठक में उपस्थित अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व संतोष बहादुर सिंह एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. एनडी शर्मा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

विचार-मंथन : राजकाज

कॉरपोरेट को बड़ा झटका

सुप्रीम कोर्ट से कॉरपोरेट जगत को बड़ा झटका लगा है। अब अनिल अंबानी समेत अन्य डिफॉल्टरों की मुश्किलें बढ़ने वाली है। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार की उस अधिसूचना को सही ठहराया है, जिसने बैंकों और वित्तीय संस्थानों को डिफॉल्ट करने वाले कॉर्पोरेट देनदार के प्रमोटरों (व्यक्तिगत गारंटर) के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार प्रदान करता है। शीर्ष अदालत के इस आदेश ने कॉरपोरेट दिवालिया समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के समापन के बाद ऋणदाताओं के लिए व्यक्तिगत गारंटीकर्ताओं से शेष ऋण की वसूली के लिए रास्ता साफ हो गया है। अब एसबीआई अनिल अंबानी के खिलाफ दिवालियापन की कार्यवाही कर सकती है।

टूलकिट पर खुद घिरी भाजपा

कोरोना वायरस के इस संकट काल में भी जिस कथित टूलकिट मामले को लेकर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी आमने-सामने थीं, उस पर ट्विटर ने बयान जारी किया है और उसे मैनिपुलेटेड मीडिया बताया है। बता दें कि 18 मई को भाजपा नेता संबित पात्रा ने एक ट्वीट कर कांग्रेस पर टूलकिट तैयार करने का आरोप लगाया था। संबित पात्रा के उस ट्वीट पर अब ट्विटर ने एक्शन लिया है और उसे तथ्यात्मक रूप से गलत बताया है। संबित पात्रा ने 18 मई को एक ट्वीट किया था, जिसमें उन्होंने दावा किया था कि कांग्रेस पार्टी एक टूलकिट के जरिए कोरोना संकट के बीच प्रधानमंत्री मोदी की छवि को बिगाडने का काम कर रही है।

अरुणाचल सीमा के पास हाईवे

पूर्वी लद्दाख सीमा पर पिछले साल से चल रहे तनाव के बीच भारत को घेरने के लिए चीन लगातार कोशिशें कर रहा है। अब चीन ने ब्रह्मपुत्र नदी घाटी के समानांतर तिब्बत में रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हाईवे का निर्माण पूरा कर लिया है। इस हाईवे में दो किमी लंबी सुरंग भी शामिल है। ये इलाका भारत के अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास है। इस हाईवे से भारत की सुरक्षा के लिए नई चुनौती खड़ी हो गई है। यह दुनिया के सबसे गहरे दर्रे यारलुंग जांगबो ग्रैंड से मिलता है और बिशिंग गांव की सीमा के पास बाइबंग काउंटी में खत्म होता है। यह दोनों देशों की वास्तविक सीमा मैकमोहन रेखा के पास पड़ता है।

वुहान की लैब से लीक हुआ कोरोना

कोरोना वायरस से इस वक्त पूरी दुनिया जूझ रही है। इस महामारी के संकट को मंडराते हुए एक साल से ज्यादा समय हो गया और आगे कब तक ये महामारी जारी रहेगी, इसकी कोई जानकारी नहीं है। ऐसे में कई देश कोरोना वायरस के उद्गम पर शोध कर रहे हैं, ताकि ये पता लगाया जा सके कि ये वायरस मानव निर्मित है या प्राकृतिक। कोरोना वायरस को लेकर हुए एक नए शोध के मुताबिक, कोरोना को चीनी वैज्ञानिकों ने एक लैब में बनाया था, जहां से ये लीक हो गया है। शोध में बताया गया कि अब लैब से निकलकर ये वायरस पूरी दुनिया में फैल गया और तबाही मचा रहा है।

संपादकीय

व्हाट्सएप और निजता

व्हाट्सएप की प्राइवेसी पॉलिसी को लेकर मचा तूफान थमने का नाम नहीं ले रहा। पांच महीने तक चले विवाद के बाद व्हाट्सएप ने 15 मई से अपनी प्राइवेसी पॉलिसी भारत समेत कई देशों में लागू कर दी है। व्हाट्सएप ने स्पष्ट रूप से कहा है कि उनकी नई प्राइवेसी पॉलिसी पैटेंट कम्पनी फेसबुक को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इस पॉलिसी के तहत व्हाट्सएप का डाटा फेसबुक, इंस्टाग्राम और भागीदार कम्पनियों के साथ शेयर किया जाएगा लेकिन नई पॉलिसी सिर्फ बिजनेस अकाउंट के लिए है यानी आप किसी बिजनेस अकाउंट (व्हाट्सएप बिजनेस) से व्हाट्सएप पर चैट करते हैं तो सिर्फ वही डाटा कम्पनी लेगी और अन्य कम्पनियों को देगी लेकिन यदि आप किसी दोस्त या रिश्तेदार से आम व्हाट्सएप अकाउंट से बात कर रहे हैं तो आपकी चैटिंग कम्पनी नहीं देखेगी। सीधी बात यह है कि नई प्राइवेसी पॉलिसी सिर्फ बिजनेस अकाउंट के लिए है, इसे स्वीकार करने के बाद निजी चैट प्रभावित नहीं होंगे। यद्यपि व्हाट्सएप ने कहा है कि यदि आप उसकी नई प्राइवेसी पॉलिसी को स्वीकार नहीं भी करते तो वह आपके अकाउंट को डिलीट नहीं करेगा लेकिन धीरे-धीरे सभी फीचर्स को बंद कर देगा, जैसे आपको किसी के मैसेज आने का नोटिफिकेशन तो दिखेगा लेकिन आप उसे पढ़ नहीं पाएंगे। नई पॉलिसी का मामला दिल्ली हाईकोर्ट में चल रहा है। इलैक्ट्रानिकी और सूचना मंत्रालय ने साफ तौर पर कहा है कि व्हाट्सएप की नई पॉलिसी कई भारतीय कानूनों को तोड़ने वाली है। अब मंत्रालय ने व्हाट्सएप को नई पॉलिसी को वापिस लेने का निर्देश दिया है और कम्पनी को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि व्हाट्सएप की नई प्राइवेसी पॉलिसी भारतीय यूजर्स की निजता, डाटा सिक्योरिटी के अधिकार को खत्म करने वाली है। करोड़ों भारतीय यूजर्स कम्युनिकेशन के लिए व्हाट्सएप पर निर्भर है लेकिन उसने नई पॉलिसी लागू करके गैर जिम्मेदार होने का प्रमाण दे दिया है। मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि व्हाट्सएप सात दिनों के भीतर जवाब दे, यदि संतोषजनक उत्तर नहीं मिला तो व्हाट्सएप के खिलाफ कठोर कदम उठाए जा सकते हैं। आम नागरिक भी इस बात से चिंतित हैं कि व्हाट्सएप की नई प्राइवेसी पॉलिसी में बदलाव गोपनीयता और आंकड़े या ब्यौरों की सुरक्षा के मूल्यों को कमजोर करती है और इस तरह व्हाट्सएप भारतीय नागरिकों के अधिकारों पर कुठाराघात कर रहा है। व्हाट्सएप ने पहले अपनी सेवाएं मुफ्त में प्रदान कीं और लोग इससे जुड़ते चले गए। अब जबकि व्हाट्सएप जिन्दगी की जरूरत बन गई तो अब वह यूजर्स की निजता पर नजर रखना चाहता है।

भगवान परशुराम ने ही श्रीकृष्ण को दिया था सुदर्शन चक्र !

संसार मे ख्यातिलब्ध भगवान परशुराम चिरंजीवी हैं। वे श्रीराम के समय भी और श्रीकृष्ण के समय भी मौजूद रहे,वही आज भी उन्हें जीवित ही माना जाता है। परशुराम ने ही श्रीकृष्ण को सुदर्शन चक्र उपलब्ध कराया था। किदवदन्ति है कि महेंद्रगिरि पर्वत भगवान परशुराम की तपस्या स्थली रही है और उसी पर्वत को कल्पांत तक तपस्या के लिए उन्होंने चुना था।कहते है, एक बार भगवान गणेश ने परशुराम को शिव दर्शन करने से रोक दिया था जिससे रुष्ट होकर परशुराम ने उन पर अपने फरसे से प्रहार किया, जिससे उनका एक दांत टूट हो गया और वे एकदंत हो गए। त्रेतायुग में सीता स्वयंवर में शिव धनुष टूटने पर वे पहले नाराज हुए और फिर श्रीराम का सम्मान भी किया। द्वापर युग में उन्होंने असत्य वचन के लिए दंड स्वरूप कर्ण को सारी विद्या विस्मृत होने का श्राप दिया और भीष्म, द्रोण व कर्ण को शस्त्र विद्या प्रदान की थी।भगवान परशुराम को विष्णु का छठा अवतार माना जाता है। जबकि श्रीराम सातवें अवतार थे। भगवान परशुराम का जन्म 5142 वि.पू. वैशाख शुक्ल तृतीया के प्रथम प्रहर में हुआ था। इनका जन्म सतयुग और त्रेता का संधिकाल भी माना जाता है। भगवान परशुराम का जन्म 6 उच्च ग्रहों के योग के समय में हुआ। जन्म तिथि अक्षय तृतीया होने कारण इसी दिन परशुराम जयंती मनाई जाती है। भगवान परशुराम ने अपने बल से आर्यो के शत्रुओं का भी विनाश किया था। हिमालय के उत्तरी भू.भाग,अफगानिस्तान,अपगण,ईरान,कश्यपभूमि,इराक व अरब आदि देशो में जाकर भगवान परशुराम ने आर्य शत्रुओं का जमकर संहार किया था। आर्य संस्कृति को प्रचारित करते हुए उन्होने आर्यन यानि ईरान के कश्यप भूमि क्षेत्र व आर्यक यानि इराक को नई पहचान दी थी। विभिन्न धर्म ग्रन्थों का व्यापक अध्ययन करने के बाद यह तथ्य उदघाटित हुआ है कि मुम्बई से कन्या कुमारी तक के क्षेत्र को आठ कोणों में बांटकर भगवान परशुराम ने नया प्रान्त बनाया था। जिसकी रक्षा की प्रतिज्ञा भी उन्होने की थी। वही केरल प्रदेश को बसाने वाले भी भगवान परशुराम ही थे। भगवान परशुराम शोध ग्रन्थ के मुताबिक परशुराम में ब्रहमा की सृजन शक्ति ,विष्णु की पालन शक्ति व शंकर की संहार शक्ति विधमान थी। इसी लिए उन्हे त्रिवन्त कहा गया है। जिस स्थान पर उन्होने तपस्या की थी, वह स्थान आज तिरूवंनतपुरम के नाम से प्रसिद्ध है , जो केरल की राजधानी भी है। केरल,कन्याकुमारी व रामेश्वरम के संस्थापक भगवान परशुराम की केरल में लोग नियमित पूजा करते है। पंडित लोग संकल्प मंत्र में परशुराम क्षेत्रे का उच्चारण कर उक्त समूचे क्षेत्र को परशुराम की धरती मानते है। देश की प्रमुख नदियों में ब्रहम पुत्र,राम गंगा व बाण गंगा नदियों को जनकल्याण के लिए दूसरी दिशाओं में

प्रवाहित करने का श्रेय भगवान परशुराम को ही जाता है। शोध में यह बात भी सामने आई है कि परशुराम ने क्षत्रियों का कभी विनाश नही किया था । उन पर लगाया गया यह आरोप पूरी तरह से मिथ्या है। जिस तरह भगवान राम ने ब्राहम्ण के बजाय एक अत्याचारी रावण की हत्या की थी, उसी तरह परशुराम ने भी अपने समय में उन दुष्टो का संहार किया जो मानवता के विरोधी थे। वस्तुत भारतीय संस्कृति में तीन कल्याणकारी राम अवतरित हुए है जिनमें आदि राम परशुराम ,दशरथ पुत्र राम व श्रीकृष्ण के बडे भाई बलराम शामिल है। परशियन भाषा और परशिया स्थान के परशुराम के अनुयायी जो कि अग्नि पूजक है, के कारण परशुराम सदैव चिरंजीवी रहेगे। अठारह महापुराणों में भगवान परशुराम के अवतार का उल्लेख पढने को मिलता है। जिसका चित्रण कही समास शैली में तो कही व्यास शैली में किया गया है। विष्णु पुराण में भृगु और ख्याति से लक्ष्मी का जन्म होना बताया गया है। जब विष्णु आदित्य रूप में प्रकट हुए तो लक्ष्मी पदमा रूप में प्रतिष्ठित हुई। जब परशुराम के रूप में विष्णु ने अवतार लिया तो लक्ष्मी पृथ्वी रूप में उनके साथ रही। भगवान परशुराम को भागवत पुराण में सोलवां अवतार माना गया है। वैसाख शुक्ल तृतीया के दिन महर्षि जमदग्नि के पुत्र के रूप में माता रेणुका के गर्भ से परशुराम रूप में जन्म लिया और संसार से अन्याय दूर करने के लिए शस्त्र हाथ में उठाकर शत्रुओं का संहार किया तथा धर्म की विजय पताका फहराई । भगवान परशुराम योग,वेद व नीति शास्त्र में निशणात थे। तंत्रकर्म व ब्रहमास्त्र सहित अनेक दिव्य शस्त्रों के संचालन में उन्हे पारंगत माना जाता था। सीता स्वयंवर में श्री राम की वास्तविकता जानने पर उन्होने श्री राम का भक्ति भाव के साथ अभिनन्दन किया तो महाभारत काल में कौरव की सभा में भगवान परशुराम भगवान श्रीकृष्ण का खुला समर्थन करते नजर आए। इतना ही नही उन्होने गंगापुत्र देवव्रत यानि भीष्म पितामह को भी शस्त्र विधा सिखलाई थी। भगवान परशुराम का उत्तराखण्ड से भी गहरा नाता रहा है। उत्तराखण्ड के उत्तरकाशी के निकट वरूणावत पर्वत पर भगवान परशुराम ने धोर तपस्या की थी। इसी तपस्या के बल पर भगवान परशुराम संसार से अन्याय का खात्मा करने में सफल रहे जिसके लिए उन्होने अधर्मियों,अन्यायियों व अत्याचारियों के खिलाफ शस्त्र उठायें ।भगवान परशुराम की इस तपस्या स्थली को आज भी लोग नमन करते है। उत्तरकाशी में भगवान परशुराम की तपस्या स्थली होने के कारण ही उत्तरकाशी में भगवान परशुराम का भव्य मंदिर बना हुआ है। साहित्यकार शिवकुमार सिंह कौशिकेय द्वारा किये गए शोध के तहत परशुराम का जन्म वर्तमान बलिया के खैराडीह में बताया गया हसि। उत्तर प्रदेश के शासकीय बलिया गजेटियर में परशुराम का चित्र सहित संपूर्ण विवरण उपलब्ध होना बताया गया है। एक किंवदंती में मध्यप्रदेश के इंदौर के पास स्थित महू से कुछ ही दूरी पर स्थित जानापाव की पहाड़ी पर भगवान परशुराम का जन्म होना बताया गया है। यहां पर परशुराम के पिता ऋषि जमदग्नि का आश्रम है। कहते हैं कि प्रचीन काल में इंदौर के पास ही मुंडी गांव में स्थित रेणुका पर्वत पर माता रेणुका रहती थीं। एक अन्य मान्यता में छत्तीसगढ के सरगुजा जिले में घने जंगलों के बीच स्थित कलचा गांव में स्थित एक शतमहला है। जमदग्नि ऋषि की पत्नी रेणुका इसी महल में रहती थीं और भगवान परशुराम को उन्होंने यही जन्म दिया । वही शाहजहांपुर के जलालाबाद में जमदग्नि आश्रम से करीब दो किलोमीटर पूर्व दिशा में हजारों साल पुराने मन्दिर के अवशेष मिलते हैं जिसे भगवान परशुराम की जन्मस्थली कहा जाता है। महर्षि ऋचीक ने महर्षि अगत्स्य के अनुरोध पर जमदग्नि को महर्षि अगत्स्य के साथ दक्षिण में कोंकण प्रदेश मे धर्म प्रचार का कार्य करने लगे। कोंकण प्रदेश का राजा जमदग्नि की विद्वता पर इतना मोहित हुआ कि उसने अपनी पुत्री रेणुका का विवाह इनसे कर दिया। इन्ही रेणुका के पांचवें गर्भ से भगवान परशुराम का जन्म हुआ। जमदग्नि ने गृहस्थ जीवन में प्रवेश करने के बाद धर्म प्रचार का कार्य बन्द कर दिया और राजा गाधि की स्वीकृति लेकर इन्होंने अपना जमदग्नि आश्रम स्थापित किया और अपनी पत्नी रेणुका के साथ वहीं रहने लगे। राजा गाधि ने वर्तमान जलालाबाद के निकट की भूमि जमदग्नि के आश्रम के लिए चुनी थी। जमदग्नि ने आश्रम के निकट ही रेणुका के लिए कुटी बनवाई थी आज उस कुटी के स्थान पर एक अति प्राचीन मन्दिर बना हुआ है जो आज ढकियाइन देवी के नाम से सुप्रसिद्ध है। भगवान परशुराम के लिए जहां अपने पिता की आज्ञा सर्वोपरि रही वही वे अपने क्रोध व शिव भक्ति के लिए भी जाने जाते है।

कहा जाता है कि एक बार उन्होंने अपने पराक्रम से नदियों तक की दिशा मोड़ दी थी।(लेखक साहित्यकार है)

रक्षकों की रक्षा होगी तो कोविड में कामयाबी मिलेगी

इसमें दो राय नहीं कि सीमित संसाधनों व पर्याप्त चिकित्सा सुविधा के अभाव में भी देश के डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी प्राणपण से कोविड-19 की महामारी से जूझ रहे हैं। पहले से पस्त चिकित्सातंत्र और मरीजों की लगातार बढ़ती संख्या के बीच स्वास्थ्यकर्मियों पर दबाव लगातार बढ़ रह है। इतना ही नहीं, मरीज को न बचा पाने पर उपजी तीमारदारों की हताशा की प्रतिक्रिया भी डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों को झेलनी पड़ती है। जब पहली लहर में पीपीए किट व संक्रमणरोधी मास्क न थे, तब भी फ्रंटलाइन वर्कर सबसे आगे थे। कृतज्ञ राष्ट्र ने तब इनके सम्मान में ताली-थाली भी बजाई। दीये भी जलाये। हवाई-जहाजों व हेलीकॉप्टरों से फूल भी बरसाये। निस्संदेह इन कदमों का प्रतीकात्मक महत्व है। लेकिन इससे कठोर धरातल की हकीकत से मुंह नहीं मोड़ा जा सकता। हमारी चिंता का विषय यह भी होना चाहिए कि देश के एक-चौथाई स्वास्थ्यकर्मियों का अभी टीकाकरण नहीं हो पाया है। कोरोना महामारी के खिलाफ कारगर लड़ाई लड़ने वाले उच्च जोखिम समूह को जनवरी से

वैक्सीन लगाने में प्राथमिकता मिली थी। लेकिन तब कई तरह की शंकाएं इस बिरादरी में थी। लेकिन दूसरी मारक लहर ने तमाम नकारात्मकता के बीच वैक्सीन लगाने के प्रति देश में जागरूकता जगाने का काम जरूर किया है। अब राज्यों के मुखियाओं से लेकर आम आदमी तक में वैक्सीन लगाने की होड़ लगी है। बहरहाल, इसके बावजूद बकौल इंडियन मेडिकल एसोसिएशन यानी आईएमए, इस साल अब तक 270 डॉक्टरों ने महामारी की दूसरी लहर में दम तोड़ा है, जिसमें अनुभवी व युवा चिकित्सक भी शामिल हैं। इनमें देश में स्वास्थ्य जागरूकता अभियान चलाने वाले व पद्म पुरस्कार विजेता डॉ. के.के अग्रवाल भी शामिल हैं जो कोविड संक्रमित होने के बावजूद रोगियों के साथ टेली-कंसल्टिंग कर रहे थे। ऐसे अग्रिम मोर्चे के नायकों की लंबी सूची है, जिसमें डॉक्टर-स्वास्थ्यकर्मी अपने परिवार को जोखिम में डालकर रोज कोविड मरीजों को बचाने के लिये घर से निकलते हैं। विडंबना यह है कि देश के नीति-नियंताओं ने सार्वजनिक स्वास्थ्य तंत्र को मजबूत करने को कभी भी अपनी प्राथमिकता नहीं बनाया। वहीं जनता के स्तर पर यही कमी रही है कि वे छोटे हितों के जुमले पर तो वोट देते रहे, लेकिन जनप्रतिनिधियों पर इस बात के लिये दबाव नहीं बनाया कि पहले चिकित्सा व्यवस्था को ठीक किया जाये। यह विडंबना है कि देश में डाक्टर व रोगी का अनुपात एक के मुकाबले 1700 है जो विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा निर्धारित एक अनुपात 1100 से बहुत कम है। ऐसे में संकट के इस दौर में अनुभवी डॉक्टरों की मौत हमारा बड़ा नुकसान है, जो पहले से चरमराती स्वास्थ्य प्रणाली के लिये मुश्किल पैदा करने वाला है।

चिंतन मनन: कौन बने राजा

भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ को पक्षियों का राजा माना गया है लेकिन वे अपने स्वामी की सेवा में इतना व्यस्त रहते थे कि उन्हें पक्षियों का हालचाल जानने का समय ही नहीं मिल पाता था। एक दिन पक्षियों ने अपनी सभा बुलाई और इस बात पर विचार-विमर्श किया कि ऐसे राजा का क्या लाभ, जो कभी हमें देखने तक नहीं आता। सभी ने

काफी सोच-विचार कर उल्लू को राजा घोषित कर दिया। उल्लू के राजतिलक की तैयारी होने लगी, तभी एक कोने में बैठे कौवे ने चिल्लाते हुए कहा कि यह फैसला हमें मंजूर नहीं है। राजा गरुड़ को भले ही हमारे पास आने का समय न मिलता हो, लेकिन जब भी मौका मिलेगा वह अवश्य आएंगे। मगर उल्लू को राजा बनाने का क्या लाभ, जिसे दिन में दिखाई ही नहीं पड़ता। वह हमारी परेशानियों को कैसे हल करेगा। वह दूसरों की बातें सुनकर फैसला करेगा जिसका परिणाम यह होगा कि चाटुकारों का बोलबाला हो जाएगा। किसी ने तर्प दिया कि उल्लू रात में देख सकते हैं इसलिए वह रात में हमारी समस्या सुलझा देंगे। कौवे ने कहा- ऐसा राजा मुझे मंजूर नहीं जो रात में आकर हमारी नींद हराम करे। फिर हम पक्षी रात में ठीक से देख नहीं पाते। हम पहचानेंगे कैसे कि उल्लू ही आया है। इस बात का लाभ उठाकर कोई राक्षस उसकी जगह आ सकता है और हमें मारकर खा सकता है। पक्षियों ने मान लिया कि राजा ऐसा होना चाहिए, जिसे प्रजा के दुख-दर्द दिखाई तो पड़ें। अंत में गरुड़ को ही राजा बनाए रखने का फैसला किया गया।

किसान आंदोलन में कोरोना

देश में कोरोना की सुनामी आई हुई है। इस कारण केंद्र से लेकर सभी राज्य सरकारें परेशान हैं। कोरोना का संक्रमण अब कृषि कानूनों के विरोध का झंडा लेकर बैठे किसान आंदोलन तक पहुंच चुका है। कोरोना से दो किसानों की मौत हो चुकी है और कई बीमार हैं। बावजूद इसके किसान न तो टेस्ट करा रहे हैं और न ही वैक्सीन ले रहे हैं। किसानों का यह हठ कोरोना का सुपर स्प्रेडर बन सकता है। किसानों का प्रदर्शन 26 नवंबर 2020 से लगातार जारी है। मार्च तक सब ठीक था, मगर अप्रैल में दूसरी लहर आने के बाद सरकार एक्टिव हुई तो इसे किसानों ने आन पर ले लिया। वे गरजने लगे कि यहां से कोई नहीं जाएगा। कोरोना है ही नहीं। नतीजा यह हुआ कि अब आंदोलन स्थल पर न तो सोशल डिस्टेंसिंग का पालन हो रहा है और न ही कोई मास्क लगा रहा है। भले ही यह प्रदर्शन दिल्ली की गाजीपुर, सिंघु, टिकरी आदि चंद सीमाओं तक सीमित हो, लेकिन किसान नेता अपने आंदेलन को बड़ा बताने में कोई कमी नहीं कर रहे हैं। अब जबकि दो किसानों की कोरोना से मौत हो चुकी है, तो सोचिए संक्रमण कितनों में फैला होगा। आंदोलन में हर राज्य से किसान आ रहे हैं और वापस गांव को लौट रहे हैं। यह स्थिति देश में संक्रमण को भयावह बना सकती है। कहा जा रहा है कि आंदोलन स्थल पर डटे किसानों में से इस समय 15 फीसद बीमार हैं। इनको बुखार, खांसी-जुकाम की शिकायत है। यह स्थिति स्वास्थ्य विभाग के कैंपों में साफ दिखती है। सेक्टर-9 मोड़ पर विभाग की ओर से शुरुआत से ही मेडिकल कैंप चल रहा है। यहां पर रोजाना करीब 100 आंदोलनकारी दवा लेने के लिए आते हैं। इनमें से 15 बुखार पीड़ित मिलते हैं। जिला प्रशासन की ओर से 22 अप्रैल को टीकरी बार्डर पर बैठे आंदोलनकारियों के साथ बातचीत और उसमें डीसी व एसपी ने सभी से वैक्सीनेशन की अपील की थी। हालांकि टेस्टिंग के लिए तो अभी तक कोई भी तैयार नहीं है, मगर दर्जनभर किसानों ने वैक्सीन ली है। इसके बाद केंद्र खाली पड़े हैं। रोजाना बॉर्डर पर दो जगहों पर सभाओं में आंदोलनकारियों का जुटना ही कोरोना संक्रमण फैलने के रिस्क को बढ़ा रहा है। आंदोलनकारियों द्वारा लगातार उनके बीच कोरोना संक्रमण न होने का दावा किया जा रहा है, मगर स्वास्थ्य विभाग का तर्क है कि इसको लेकर तो स्थिति तभी साफ होगी, जब ये आंदोलनकारी अपना टेस्ट करवाएंगे। टेस्ट भी यदि बाद का विषय मान लिया जाए तो कम से कम एहतियात के तौर पर जो वैक्सीन कोरोना से बचाव में उपयोगी है, उससे तो किसी को भी परहेज नहीं करना चाहिए। इस प्रदर्शन को लेकर सर्वोच्च न्यायालय कई बार किसानों को फटकार लगा चुका है। न्यायालय ने कई बार उन्हें कहा है कि आपको आंदोलन करना है तो करिए, लेकिन दूसरों की परेशानी मत बढ़ाइए। मगर नेता चंद किसानों को बहकाकर अपना स्वार्थ पूरा करने के लिए आंदोलन जारी रखने पर अमादा हैं। हालांकि कुछ दिनों से देश में कोरोना संक्रमण की दर पहले की तुलना में घटती हुई दर्ज हो रही है, मगर गांवों में फैल गई इस महामारी से सरकारों के माथे पर स्वाभाविक ही चिंता की लकीर गहरा गई है। कुछ राज्यों में स्थिति बहुत बुरी है। इसे लेकर प्रधानमंत्री ने भी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को अतिरिक्त सतर्कता बरतने की सलाह दी है। उत्तर प्रदेश में इलाज न मिल पाने की वजह से इतनी अधिक मौतें हो रही हैं कि मृतकों का अंतिम संस्कार करना भी मुश्किल बना हुआ है। कोरोना की पहली लहर के समय ही चिंता जताई जा रही थी कि अगर यह संक्रमण गांवों में फैलना शुरू हो गया, तो उस पर काबू पाना मुश्किल हो जाएगा, क्योंकि ग्रामीण भारत में स्वास्थ्य सुविधाएं पहले ही सबसे खराब स्थिति में हैं। मगर उस समय भी मुख्य रूप से इस संक्रमण को रोकने की तैयारियां शहरों में ही केंद्रित रहीं, गांवों में इसके लिए कोई एहतियाती उपाय नहीं किए गए। मगर अब उपाय शुरू हुए हैं तो किसान इसमें अड़ंगा डालकर बैठे हैं। एक बार किसान आंदोलन कोरोना का सुपर स्प्रेडर बना तो हम देश में बीमारी फैलने की कल्पना भी नहीं कर सकते। बेहतर है कि किसान जिद छोड़ें और घरों को लौट जाएं। एक बार सब ठीक हो जाए तो फिर से चाहें तो आंदोलन कर लें।

राशि	फल
मेष	मान-प्रतिष्ठा बाल बाल बचे, कार्य व्यवसाय गति उत्तम बन जायेंगी, ध्यान दें।
वृष	मान-प्रतिष्ठा बाल बाल बचे, कार्य व्यवसाय गति उत्तम बन जायेंगी, ध्यान दें।
मिथुन	इष्ट मित्र सहायक रहें, व्यावसायिक क्षमता में वृद्धि होगी, रुके कार्य बनें।
कर्क	कार्यकुशलता से संतोष प्राप्त होगा , उच्च अधिकारियों का सहयोग मिलेगा
सिंह	परिश्रम से समय पर सोचे कार्य पूर्ण होवेंगे तथा व्यवसाय गति उत्तम होगी।
कन्या	अधिकारियों का समर्थन फलप्रद रहे, कार्य कुशलता से संतोष होवेंगा।
तुला	दैनिक व्यवसाय गति उत्तम तथा व्यावसायिक चिन्ता अवश्य बनेगी।
वृश्चिक	कार्य वृत्ति में सुधार होगा, असमंजस तथा सफलता न मिले कार्य अवरोध होवे।
धनु	स्थिति अनियंत्रित रहे तथा नियंत्रण करना आवश्यक होवेगा, ध्यान अवश्य देवें।
मकर	मानसिक चिंता एवं स्वभाव में मानसिक उद्विघ्नता अवश्य ही रहेगी।
कुंभ	योजनाये फलीभूत होगी, विघटनकारी तत्व आपकों परेशान अवश्य करेंगे।
मीन	मनोबल उत्साह वर्धक होगा तथा कार्यकुशलता से संतोष होवेगा।

डॉ पीएल गौतमाचार्य

बहिनों का पाक कनेक्शन!

महू में सेना के कुछ अफसरों से सीधे टच में थीं बहिनें, आशंका हनीट्रैप की भी, एक ने कहा-पाकिस्तानी युवक से शादी करना था

इंदौर। इंदौर के महू सैन्य क्षेत्र से जासूसी करते पकड़ी गई दो बहिनों से पूछताछ जारी है। दोनों का पाकिस्तान से कनेक्शन की बात सामने आने से इलाके में हड़कंप मचा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक दोनों महू सैन्य क्षेत्र के सेना के कुछ अफसरों के टच में थीं। आशंका जताई जा रही है कि हैनीट्रैप में फंसाने की साजिश तो नहीं थी। पूछताछ में एक युवती ने बताया है कि पाकिस्तान में एक युवक से वह सोशल मीडिया पर शादी के इरादे से बात करती थी।

बता दें कि आईबी की सूचना पर क्राइम ब्रांच ने गवली पलासिया में सेना से रिटायर चांद खा के घर दबिश के बाद उनकी बेटी हिना और यासीन को पुलिस ने हिरासत में लिया था। घर से उनके जीजा को भी पकड़ा था। इंटेलिजेंस एजेंसियों को ऐसा शक है कि युवतियां पाकिस्तान के कुछ लोगों से सोशल मीडिया संपर्क में थीं। युवक- युवती के पास से उनके मोबाइल फोन और अन्य डिवाइस जब्त की है। आईजी हरिनारायण चारी मिश्रा ने घटना की पुष्टि करते हुए शुक्रवार देर रात मीडिया को बताया कि जानकारी मिलिट्री इंटेलिजेंस से ही साझा की गई है। सैन्य अफसरों के साथ कोई हनीट्रैप की साजिश की आशंका भी बताई जा रही है।

युवतियों ने की सैन्य विज्ञान की पढ़ाई

सूत्रों की मानें तो युवतियों ने सैन्य विज्ञान की पढ़ाई की है। पिता चांद खान निधन के बाद महू क्षेत्र में ही रह रही थीं। कुछ सालों से हिना बिजली कंपनी में कंप्यूटर ऑपरेटर की नौकरी कर रही थीं। यासीन किसी स्कूल में टीचर थी। जानकारी के मुताबिक कुछ दिन पूर्व संदिग्ध कॉल ट्रेस होने के बाद कई एजेंसियां अलर्ट पर आ गई थी। इसके बाद इंदौर क्राइम ब्रांच और अन्य एजेंसियों ने युवतियों से पूछताछ शुरू कर दी।

देर रात 12 बजे तक कई बड़े अधिकारियों की मीटिंग देर रात तक आईजी, डीआईजी, साइबर एसपी, आर्मी इंटेलिजेंस, क्राइम ब्रांचके एएसपी बंद कमरे में देर रात तक चर्चा करते रहे। इससे मामले की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। सूत्रों की मानें तो कुछ सैनिक अफसरों से संपर्क होने की जानकारी भी सामने आई है। हिना बताया है कि उसकी मां की तबीयत बहुत खराब रहती है। इलाज के सिलसिले में वह इन सैनिक अफसरों से बात करती थी।

संक्षिप्त समाचार

पर्वतारोही भावना डेहरिया ने साझा किया माउंट एवरेस्ट का अनुभव

जबलपुर। अपने जीवन के सुनहरे दिन को याद करते हुए, मध्य प्रदेश की पर्वतारोही भावना डेहरिया मिश्रा ने पिछले साल दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट को फतह करने का अविस्मरणीय अनुभव साझा किया। माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने का सपना देखने से लेकर उसे हकीकत में बदलने तक के अपने सफर के बारे में साझा करते हुए भावना ने कहा कि सबसे ऊंची चोटी पर राष्ट्रीय ध्वज फहराना मेरे लिए सबसे गर्व का क्षण था। इससे मुझे बहुत खुशी हुई की मेरी कड़ी मेहनत और लगातार प्रयासों ने मेरे देश को गौरवान्वित किया है। चार साल की अंतहीन मेहनत के बाद, 22 मई 2019 को, मैंने अपने सपने को सच होते देखा। जब मुझे वास्तव में एहसास हुआ कि मैं दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट पर हूं, जिसे नेपाल में ''सागरमाथा'' भी कहा जाता है। मैंने चोटी तक पहुंचने के लिए 8,848 मीटर की दूरी तय की। भावना जो अब सिर्फ पर्वतारोही ही नहीं बल्कि एक मां भी हैं। वह दोनों जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभा रही हैं, वह कहती हैं, एलिसन जेन हरग्रीव्स ने मुझे गर्भावस्था के दौरान भी चढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। वह अपने पहले बच्चे के साथ छह महीने गर्भवती थीं जब वह एइगर (आल्प्स) पर चढ़ गईं थीं। वह उन दुर्लभ और पहले पर्वतारोहियों में से हैं, जो 13 अगस्त 1995 को शेरपा और ऑक्सीजन के समर्थन के बिना एवरेस्ट की चोटी पर पहुंची।

कोरोना महामारी के बीच भूकंप की 24वीं बरसी निकली

जबलपुर। कोरोना महामारी की त्रासदी से जूझती संस्कारधानी 24 साल पूर्व भूकंप की त्रासदी को स्मरण ही नहीं कर पा रहा है। शहरवासियों को 24 साल पहले भूकंप ने जो जख्म दिए थे वे जहन में आते ही आत्मा कांप जाती है। तबाही मचाने वाले भूकंप को 24 साल बीते चुके हैं। 22 मई 1997 को 6.2 तीव्रता से आए भूकंप में कई घर और इमारतें ढह गई थीं, जिसके मलबे में दबकर 39 असमय काल का ग्रास बन गए। ऐसा नहीं है कि इस के बाद शहर ने भूकंप के झटके महसूस न किए हों लेकिन 24 साल पहले के भूकंप को याद कर अब भी शहरवासियों की रूह कांप जाती है। उस समय तत्कालीन मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने प्रति परिवार 3-3 हजार रुपए की राहत राशि देकर जख्म भरने की कोशिश की थी बाद में सरकार ने भूकंप सरचार्ज लगाकर 6 हजार करोड़ रुपए जनता से ही वसूले थे। भूकंप की तरह कोरोना महामारी में भी जनापेक्षा यही है कि शासन भले ही राहत राशि न दे लेकिन बिजली बिलों के साथ जल और संपत्ति कर में राहत प्रदान करे। व्यवसायिक और सामाजिक संगठन भी इस तरह की मांग शासन से कर चुके हैं क्योंकि शासन ने शराब पर कोरोना सैस लगा दिया है। इस साल पर भूवंसप की बरसी पर कोरोना की वजह से न तो कोई जनजागृति कार्यक्रम हुये और न ही सिविक सेंटर स्थित भूवंसप स्मृति स्तंभ पर स्मरण किया गया, अलबत्ता कुछ लोगों ने मोमबत्ती जलाई और माला चढ़ाकर चले गये। भूवंसप स्मृति स्तंभ चारों तरफ से अतिक्रमण से घिरा पड़ा हुआ है।

शनिवार प्रातः 10 बजे तक 409 ई पास जारी किए गए

रतलाम। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने कहा है रतलाम शहर में लागू ई पास व्यवस्था में मेडिकल ग्राउंड वाले आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जा रहा है। अनावश्यक कार्य के लिए एवं अधूरे तथा बिना दस्तावेज संलग्न आवेदन करने वाले नागरिकों से उन्होंने कहा है कि ऐसा नहीं करे। ई पास हेतु आवेदन करते समय पूर्ण जानकारी भरे तथा आवश्यक दस्तावेज भी संलग्न करें इसके साथ ही जितनी अवधि के लिए ई पास की आवश्यकता है उसका भी उल्लेख करें। अनावश्यक अधिक अवधि के लिए आवेदन न करें। आवेदनों के त्वरित निराकरण में जुटी है टीम शुक्रवार दोपहर 3 बजे से ही पास के लिए आवेदन प्राप्त होने के बाद इस कार्य के लिए नियुक्त कर्मचारियों द्वारा आवेदनों का तत्काल निराकरण किया जाना प्रारंभ कर दिया गया था। एसडीएम श्री अभिषेक गेहलोत के मार्गदर्शन में रात्रि 9:00 बजे तक कर्मचारी आवेदनों का निराकरण करते रहे। शनिवार प्रातः 8:00 से पुनः प्राप्त आवेदनों के निराकरण का कार्य प्रारंभ कर दिया गया।

कोरोना से मौतों पर दो इंदौरी दिग्गज आमने-सामने

पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने कोरोना की मौतों पर सीएम शिवराज को घेरा

इंदौर। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा सरकार पर कोरोना से मौतों के आंकड़ों को छुपाने का आरोप लगाने के बाद राजनीति गमरा गई है। कमलनाथ का कहना था कि मार्च और अप्रैल के महीने में 1 लाख 27 हजार मौतें हुई, जिनमें 80 फीसदी कोरोना से हुई हैं। यानी इन दो महीनों में 1 लाख 2 हजार मौतें कोरोना से हुई। इसके बाद गृहमंत्री ने कमलनाथ पर धारा 188 और राष्ट्रद्रोह या इससे संबंधित धाराओं में कार्रवाई करने की मांग की। अब इस मुद्दे पर इंदौर के दो दिग्गज नेता पूर्व मंत्री जीतू पटवारी और भाजपा विधायक रमेश मेंदोला कूद पड़े हैं। पटवारी ने लिखा - हजारों हत्याओं के बाद भी सरकारी-बेशर्मी शिवराज की सोच बताती है। मंदोला ने एक आग लगाने वाला वीडियो शेयर किया। जीतू पटवारी बोले - पूर्व मंत्री जीतू पटवारी ने कहा कि कमलनाथ ने सरकार को आगाह किया कि व्यवस्था को दुरुस्त करो। करीब एक लाख लोग मप्र में कोविड से काल के गाल में समा गए हैं। मुख्यमंत्री और सरकार ने इस पर संज्ञान लेने की जगह एफआईआर की बात कही है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष ने अलग-अगल तरीके से कमलनाथ को क्रिटिसाइज किया। मुख्यमंत्री जी आपके काम करने करने का तरीका यही है तो कमलनाथ जी पर ही नहीं लाखों लोगों पर आपको मुकदमा लगाने पड़ेंगे। इसमें कांग्रेसी ही नहीं, लाखों जर्नलिस्ट और जनता होगी। किसी गांव में जाइए और 2000 की आबादी में पूछेंगे तो दूसरी ओर से आवाज आएगी, 10 से 15 लोगों की जान गई। प्रदेश में 1 हजार पर 5 से 10 लोगों की मौत हुई है। कोविड में कितने गए यह आप समझते हैं। एफआईआर की धमकी देकर डराने और कुप्रबंधन के छुपाने की बात आप करते हो। यह निंदनीय है। अपनी सरकार की सोच को सही करो। कमलनाथ के सुझाव को संज्ञान में लाओ और प्रदेश की जनता को बचाओ यही आग्रह है। विधायक रमेश मेंदोला ने भी एक वीडियो शेयर किया है। उन्होंने लिखा - ये आग लगाने का समय है, देश में आग लगानी है जिसने भी कांग्रेस नेता कमलनाथ जी की आवाज एक बार भी सुनी है वो उनकी ये आवाज एक क्षण में पहचान लेगा।

कमलनाथ बोले- 1 लाख से ज्यादा मौतें

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि सरकार कोरोना से हुई मौतों के आक ?ों को सार्वजनिक नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि मार्च और अप्रैल के महीने में 1 लाख 27 हजार मौतें हुई, जिनमें 80 फीसदी कोरोना से हुई हैं। यानी इन दो महीनों में 1 लाख 2 हजार मौतें कोरोना से हुई। उन्होंने कहा कि सरकार कोरोना से मौत के आकं ?ों को सार्वजनिक क्यों नहीं कर रही है। पहले चीनी कोविड कहलाता था, लेकिन अब मोदी सरकार के कारण ये भारतीय कोविड कहा जाने लगा है।

गृहमंत्री बोले - राष्ट्रद्रोह का केस हो दर्ज

प्रदेश सरकार के गृहमंत्री व प्रवक्ता नरोत्तम मिश्रा ने नेता प्रतिपक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के बयान पर पलटवार किया है। मिश्रा ने कहा कि कमलनाथ देश में फैले संक्रमण की वजह को 'इंडियन कोरोना' बता रहे हैं। यह बयान जानबूझकर दिया गया है क्योंकि कमलनाथ भी उसी टूलकिट का हिस्सा हैं। जहां भी देश का अपमान होता है, वहां यही टूलकिट सक्रिय होता है। इतना ही नहीं, वे मप्र में कोरोना से एक लाख से अधिक मौत होने का भी दावा कर रहे हैं। यह भी झूठ व भ्रम फैलाने की कोशिश है। मिश्रा ने गवर्नर आनंदीबेन पटेल से मांग की है कि दोनों बयानों पर कमलनाथ पर धारा 188 और राष्ट्रद्रोह या इससे संबंधित धाराओं में कार्रवाई की जाए।

मेड़ बनी दोस्तों के बीच नफरत की वजह, दुश्मन बने पड़ोसी ने ताबड़तोड़ मारे फरसे, तीन घायल

ग्वालियर। जमीन की मेड़ दो पड़ोसियों की दोस्ती की बीच दरार बन गई। मेड़ काटने पर दोनों के बीच जमकर लाठी और फरसे चले। जिसमें तीन लोग घायल हो गए हैं। घटना शुक्रवार को चीनोर के किशोरगढ़ की है। घटना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला। साथ ही घायलों को अस्पताल पहुंचाया है। पुलिस ने हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है। फिलहाल हमलावर फरार है। इस घटना से गांव में तनाव है। पुलिस हर हरकत पर नजर रखे हुए है। चीनोर के किशोरगढ़ निवासी निरंजन सिंह किसान है। उनकी गांव में जमीन है। पास में ही उनके नारायण सिंह के खेत हैं। दोनों पड़ोसियों में कुछ समय पहले तक गहरी दोस्ती थी। एक पल ऐसा नहीं होता था कि दोनों परिवार एक दूसरे के सुख-दुख में साथ न होते हों, लेकिन बीते कुछ दिन से खेत की मेड़ को लेकर विवाद में यह दोस्ती अभी दुश्मनी में बदल गई है। अब छोटी-छोटी बात पर झगड़ा करते हैं। शुक्रवार को निरंजन अपने पिता पैजाराम तथा चाचा रामदास के साथ खेत पर पहुंचे तो देखा कि पड़ोसी खेत मालिक नारायण सिंह, पहाड़ सिंह, नरेन्द्र तथा गौतम अपने खेत में JCB मशीन चलवा रहे थे और उन्होंने उनके खेत की मेड़ काट दी थी। जब उन्होंने विरोध किया तो पड़ोसियों ने गाली गलोज की। गाली देने से मना करने पर पड़ोसियों ने उन पर लाठी फरसे से हमला बोल दिया। हमले में निरंजन के पिता के सिर में तथा चाचा रामदास के हाथ में फरसा लगा और निरंजन की लाठियों से मारपीट की। हंगामा और हमले का पता चलते ही चीनोर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने के बाद हमलावर पड़ोसियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल हमलावर फरार है।

28 टीचर्स को लील गया दमोह उपचुनाव

ड्यूटी के दौरान संक्रमित होने के बाद कोरोना से मौत, अब परिवार को अनुग्रह राशि और अनुकंपा नियुक्ति दिलाने की लड़ाई शुरू की

दमोह। कोरोना की दूसरी लहर में दमोह उपचुनाव जानलेवा साबित हो गया। इस दौरान जहां 10 नेताओं ने कोरोना से जान गंवा दी। वहीं, उपचुनाव ड्यूटी के दौरान संक्रमित हुए 28 शिक्षकों की मौत हो गई। उपचुनाव में जिले के 800 शिक्षक-शिक्षिकाओं की ड्यूटी लगाई गई थी। इनमें से करीब 200 शिक्षक चुनावी प्रशिक्षण लेने और इसके बाद मतदान कराने के दौरान संक्रमित हुए थे। इनमें से 28 शिक्षक कोरोना से जंग हार गए। खास है, चुनावी ड्यूटी के दौरान संक्रमित होने के बाद भी प्रशासन ने इनकी सुध नहीं ली। मामला उजागर होते ही अध्यापक संगठन के प्रांताध्यक्ष आरिफ अंजुम ने मृतक शिक्षकों के परिवार को अनुग्रह राशि और अनुकंपा नियुक्ति दिलाने की लड़ाई शुरू की है। प्रांताध्यक्ष आरिफ अंजुम ने बताया, कोरोना से दमोह में 58 शिक्षकों की मौत हुई है। इनमें से 28 शिक्षक उपचुनाव में ड्यूटी के दौरान संक्रमित हुए थे। मौत के बाद प्रशासन ने परिवार की मदद नहीं की। अब मृतक शिक्षकों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सिंह ठाकुर ने सभी कार्यालय प्रमुखों से कहा है, विधानसभा उप चुनाव के दौरान संलग्न अधिकारी-कर्मचारियों की मृत्यु हुई हो, तो जानकारी जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध कराई जाए। जानकारी के अनुसार प्रशासन ने अब तक 6 शिक्षकों के प्रकरण शासन को भेज दिए हैं। शेष 22 मामलों की जानकारी जुटाई जा रही है। बटियागढ़ के हायर सेकंडरी स्कूल मंगोला में पदस्थ शिक्षक लालसिंह ठाकुर की ड्यूटी पी-1 अधिकारी के रूप में थी।

योग करें और रहे स्वस्थ्य

योग कराकर समाज को स्वस्थ करना भी समाज सेवा का कार्य: पत्रकार क्रांतिप्रिया आर्य

भोपाल। देश में कोरोना कि दूसरी लहर का प्रकोप जारी है, जिससे देश में जनता कर्फ्यू है, एसे में कई परिवारों को खाने की समग्री तक नहीं मिल पा रही है एसे में शहर के सामज सेवी व राजनीतिक पार्टिया व सरकार अपने-अपने स्तर पर समाज की सेवा कर रहे है, एसी ही समाज की सेवा पत्रकार, योगा थेरेपिस्ट क्रांतिप्रिय आर्य कर रही जो घर से ही हजारों लोगों को योग के माध्यम से स्वास्थ करने का काम कर रही है, वह बताती है कि हर व्यक्ति अपने-अपने हिसाब से समाज की सेवा कर रहे है, एसे में मैने भी सोचा कि क्यों ना हम योग के माध्यम से ही समाज की सेवा की जाए। वह प्रतिदिन प्रातः 5 बजे से 7 बजे तक बच्चों बुजुर्गों को योगा कराती है व सिखाती है जिससे योग से उनकी इम्यूनिटी पॉवर बड़ती है और इस कोरोना से लड़ने में हमारी मदद् करती है। प्रिया आर्य, योगा थेरेपिस्ट भोपाल में पिछले कई महीनों से लगातार योग की क्लास चल रही है। बच्चों और बड़ों को योग सिखाने का क्रम लगातार जारी है। ऑफलाइन ऑनलाइन क्लास लेकर लोगों को योग से जोड़ रही हूं। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग ज़रूरी है।

ऊर्जा मंत्री ने मानी गलती, भरा जुर्माना

बिना हेलमेट पहने चलाई थी स्कूटी, दूसरे दिन ट्रैफिक थाने पहुंचे, हाथ जोड़कर बोले- मुझसे गलती हुई, 250 रुपए का चालान भी भरा

ग्वालियर। बिना हेलमेट के एक्टिवा चलाने पर विवादों में आए ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर को दूसरे दिन अपनी गलती का अहसास हो गया। शनिवार को वह हेलमेट पहनकर स्कूटर चलाते हुए ट्रैफिक थाने पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी गलती स्वीकार करते हुए चालान बनाने के लिए कहा। ट्रैफिक DSP आरएन त्रिपाठी ने मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 250 रुपए का चालान काटा। ऊर्जामंत्री ने कहा, वह प्रदेश सरकार में मंत्री हैं, उसके बाद भी गलती हो गई। इससे गलत संदेश जाता है। अब इसके प्रायश्चित के लिए वह रविवार को 1 घंटे चार शहर का नाका मुक्तिधाम में श्रमदान भी करेंगे। साथ ही,

हाथ जोड़कर कहा कि युवा हेलमेट, मास्क व सोशल डिस्टेंसिंग का पालन जरूर करें।

यह था मामला

ऊर्जामंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने अपने घर से लेकर स्टेशन तिराहा रेसकोर्स रोड तक एक्टिवा चलाई थी। इस दौरान वह बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चलाते हुए नजर आए। साथ ही दोपहिया वाहन पर सोशल डिस्टेंस का पालन भी नहीं किया गया। वह शहर में कई जगह घूमे। केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर से भी मुलाकात भी की। अनोखा अंदाज दिखाने वाले ऊर्जामंत्री इस बार हेलमेट न पहनकर फंस गए थे। शुक्रवार को दैनिक भास्कर ने इस खबर को प्रमुखता के साथ प्रस्तुत किया था। जिसके बाद भोपाल से लेकर कई फोन ऊर्जामंत्री तक पहुंचे। इस पर उन्हें गलती का अहसास भी हुआ।

उन्होंने शनिवार को खुद प्रायश्चित करने का फैसला लिया। पहले वह स्कूटी पर सवार होकर ट्रैफिक थाने पहुंचे। इस बार उन्होंने हेलमेट पहनकर गाड़ी चलाई। ट्रैफिक थाना पहुंचकर उन्होंने वहां मौजूद छ्रस्क्कट्रैफिक आरएन त्रिपाठी, छ्रस्क्कनरेशबाबू अन्नोटिया से कहा कि मैंने हेलमेट न पहनकर गाड़ी चलाने की गलती की है। इसलिए मेरा चालान कर जुर्माना करें। ट्रैफिक छ्रस्क्क ने ऊर्जा मंत्री का मोटर वीकल एक्ट के तहत 250 रुपए का जुर्माना किया। जुर्माना वसूलकर उनको चालान की रसीद दी गई। इसके बाद स्कूटी पर सवार होकर वह वापस अपने कार्यालय के लिए निकल गए।

हाईकोर्ट ने सरकार से पूछा- डॉक्टर जेनेरिक दवाएं क्यों नहीं लिख रहे हैं, जवाब देने के लिए मांगा समय

ग्वालियर। डॉक्टरों द्वारा जेनेरिक मेडिसिन न लिखने को लेकर हाईकोर्ट की युगल पीठ ने नाराजगी जाहिर की है। साथ ही केंद्र सरकार, राज्य सरकार और ड्रग कंट्रोलर से इस संबंध में जवाब मांगा है। कोर्ट ने महंगी दवाएं आम लोगों के खरीदने के मामले में गंभीर चिंता जाहिर की है। 7 जून को वीडियो कॉन्फ्रेसिंग के जरिए शासन को तलब भी किया है। शासन को उपस्थित होकर बताना होगा कि डॉक्टर जेनेरिक मेडिसिन क्यों नहीं लिख रहे हैं? कंपनियों के ब्रांड क्यों लिखे जा रहे हैं? एडवोकेट विभोर कुमार ने हाई कोर्ट में जेनेरिक दवाओं को लेकर एक जनहित याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया है कि कोरोना संक्रमण के दौर में और अब उसके बाद ब्लैक फंगस जैसी बीमारी लगातार लोगों को घेर रही है। इस बीमारी में एनफो टेरेसिन बी-50 एमजी इंजेक्शन दिया जाता है, यह इंजेक्शन दो बार लगाया जाता है। दो इंजेक्शन की कीमत लगभग 14 हजार रुपए पर पड़ती है। डॉक्टर कंपनी और ब्रांच के नाम से इंजेक्शन लिख रहे हैं। जिस कारण परेशान और पीड़ितों को महंगाई में यह इंजेक्शन खरीदना पड़ता है।

किसान आंदोलन: अब शुरू होगा किसानों का 'गुरिल्ला आंदोलन'

नई दिल्ली, एजेंसी।

देश में कहर बरपाने वाली कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर जैसे-जैसे कमजोर पड़ती जा रही है, वैसे ही 'किसान आंदोलन' सक्रिय हो गया है। इस बार किसानों ने कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखते हुए एक खास रणनीति तैयार की है। अब 'गुरिल्ला'आंदोलन शुरू होगा। सरकार को ये समझ नहीं आएगा कि कब कहां क्या हो जाए। ये तय है कि इस नए आंदोलन में भाजपा के जनप्रतिनिधि, जिनमें मुख्यमंत्री, मंत्री, सांसद और विधायक शामिल हैं, इनकी राह मुश्किल हो सकती है। किसान संगठनों का 'काला झंडा' इनका पीछा नहीं छोड़ेगा। हरियाणा और पंजाब में भाजपा के जनप्रतिनिधियों के सामने हल्लाबोल कर उनका सार्वजनिक कार्यक्रमों में भाग लेना मुश्किल कर दिया था, अब वही तरीका उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड में आजमाया जाएगा। इसके बाद देश के दूसरे हिस्सों में भी भाजपा नेताओं को इसी तरह का विरोध झेलना पड़ सकता है। ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन के अध्यक्ष सत्यवान का कहना है कि केंद्र सरकार अब किसानों की मांगों को लेकर आपराधिक प्रवृति की राह पर चल पड़ी है। यानी वह चाहती है कि ये आंदोलन लंबा खिंचता रहे और किसी तरह खुद ही बदनाम हो जाए। सरकार पहले भी ऐसे प्रयास कर चुकी है। उन्होंने कहा कि इस बार किसान आंदोलन नए रूप और नए तौर तरीकों के साथ लोगों के सामने आ रहा है। दिल्ली की सीमाओं पर आंदोलन चलता रहेगा, उसके अलावा ऐसी रणनीति बनाई गई कि ये आंदोलन देश के सभी जिलों में शुरू हो। सोशल मीडिया के माध्यमों के जरिए किसान अपनी बात राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ले जाएंगे। 26 मई को किसान संगठन और सेंट्रल ट्रेड यूनियन मिलकर 'काला दिवस' मनाएंगी।

वर्ल्ड न्यूज़

कोरोना दुनिया में बीते दिन 6.19 लाख केस, 12,705 मौतें

एजेंसी, वॉशिंगटन

दुनियाभर में कोरोनावायरस ने कहर बरपा रखा है। बीते दिन दुनिया में 6 लाख 19 हजार 536 लोगों में कोरोना की पुष्टि हुई। हालांकि रोजाना होने वाली मौतों के मामले में खास गिरावट नहीं देखाी जा रही। बीते दिन 12,705 लोगों की कोरोना की वजह से मौत हुई। उधर, ब्रिटेन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर रेड लिस्ट वाले देशों से आने वाले पैसेंजर्स के लिए अलग टर्मिनल की व्यवस्था करने की तैयारी की जा रही है। एयरपोर्ट मैनेजमेंट का कहना है कि एक ही टर्मिनल से सभी यात्रियों के आने से संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए हम ऐसे देश जहां कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं, वहां से आने वाली फ्लाइट्स के लिए अलग टर्मिनल की व्यवस्था करने जा रहे हैं।

राज कपूर-दिलीप कुमार के पुश्तैनी घर बनेंगे अब म्यूजियम

एजेंस,ी इस्लामाबाद

पाकिस्तान स्थित खैबर पख्तूनख्वा सूबे की सरकार ने बॉलीवुड के महान अभिनेता राजकपूर और दिलीप कुमार की पेशावर में मौजूद पुश्तैनी हवेलियों को खरीद उन्हें संग्रहालय में तब्दील करने के लिए 2.30 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं. यह राशि पुरातत्व विभाग ने पेशावर के उपायुक्त को सौंपी है. यह कदम दोनों हवेलियों के मौजूदा मालिकों को खरीद के लिए अंतिम नोटिस जारी करने के बाद उठाया गया। खैबर पख्तूनख्वा के पुरातत्व निदेशक अब्दुस समद ने कहा कि सरकार दोनों घरों का कब्जा लेगी और ढांचे को उनके पुराने स्वरूप में बहाल करने का कार्य शुरू करेगी. उन्होंने कहा कि सरकार दोनों इमारतों को संरक्षित करेगी ताकि लोग फिल्म उद्योग में दिलीप कुमार और राज कपूर के योगदान के बारे में जान सके।

भाजपा मुख्यमंत्रियों को जेपी नड्डा की चिट्ठी

मोदी सरकार के 7 साल पूरा होने पर कोई कार्यक्रम न करें

एजेंसी, नई दिल्ली

भाजपा की अगुवाई में राजग सरकार के सात साल पूरे होने पर जश्न न मनाने का निर्देश जारी किया गया है. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने इस बाबत राज्य इकाइयों को पत्र भी लिखा है. 30 मई को एनडीए के सात साल पूरे हो रहे हैं. पत्र में लिखा गया है, कोरोना महामारी में कई परिवार तबाह हुए. जिन बच्चों के माता-पिता नहीं रहे, उनके लिए बीजेपी के शासन वाली राज्य सरकारें योजनाएं शुरु करें. इस बारे में दिशा निर्देश जल्द ही दिए जाएंगे।

जे.पी. नड्डा ने पत्र में लिखा, कोरोना वायरस महामारी ने हमारे कई अपनों को हमसे छीना है और हमारे राष्ट्र व समाज में कई गहरे जख्म छोड़े हैं. दुर्भाग्य से ये विभीषिका इतनी बड़ी है कि अनेकों बच्चे ऐसे भी हैं, जिनके माता-पिता दोनों ही इस महामारी में नहीं रहे. उनके जीवन में आए इस दुख का एहसास हम सभी को है. अब उनके भविष्य के लिए सोचना और ठोस कदम उठाना हमारा दायित्व है. अपने माता-पिता दोनों को खो चुके बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए उनके साथ खड़े होना, उको हर तरह का संबल देना, हमारा सामाजिक कर्तव्य भी है। भाजपा के मुख्यमंत्रियों को लिखे पत्र उन्होंने आगे कहा, ऐसे बच्चों और परिवारों के लिए बृहद योजना से जुड़े दिशा-निर्देशों से आपको जल्द ही अवगत कराया जाएगा. मेरा आपसे आग्रह है कि अपने राज्य की स्थितियों, आवश्यकताओं और परंपराओं को आधार बनाते हुए इस योजना का प्रारूप जल्द-से-जल्द से तैयार करें. ऐसा विचार है कि आगामी 30 मई को जब केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की अगुवाई में एनडीए सरकार के सात वर्ष पूरे हो रहे हैं, तब बीजेपी के नेतृत्व वाली सभी राज्य सरकारें, एक साथ इस योजना को लागू करें। जे.पी. नड्डा ने इस चिट्ठी में लिखा है, कोरोना की स्थितियों को ध्यान में रखते हुए एनडीए सरकार के 7 वर्ष पूरे होने पर कोई भी कार्यक्रम आयोजित नहीं होंगे. हमारा विशाल भारतीय जनता पार्टी परिवार, सेवा ही संगठन के मंत्र पर चलते हुए, इस अवसर को जनता-जनार्दन की सेवा में ही समर्पित करेगा. इस निमित्त हम देश के कोने-कोने में अलग-अलग तरह के सेवाकार्यों का आयोजन करके, देश की जनता का आभार व्यक्त करेंगे कि हमें 7 वर्षों से निरंतर अपनी सेवा का अवसर दिया है।

नेपाल में सियासी उठापटक के बीच राष्ट्रपति ने संसद की भंग, नवंबर में होंगे चुनाव

एजेंसी, काठमांडू

नेपाल में सियासी उठापटक के बीच राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने संसद भंग करते हुए मध्यावधि चुनाव का ऐलान कर दिया है. नेपाल में अब 12 से 19 नवंबर के बीच चुनाव की घोषणा की गई है. राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने शेर बहादुर देउबा और केपी शर्मा ओली दोनों के सरकार बनाने के दावे को खारिज कर दिया।

राष्ट्रपति के द्वारा संवैधानिक प्रावधानों के तहत कोई भी सरकार बनने की अवस्था ना रहने की बात कहने के साथ ही सरकार ने संसद विघटन कर दिया है. यह दूसरी बार है जब ओली ने संसद विघटन किया है. दिनभर हुए नाटकीय राजनीतिक घटनाक्रम में ओली और विपक्षी गठबंधन दोनों ने ही राष्ट्रपति के समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया था. लेकिन राजनीतिक दलों के अंदरूनी खींचातान के बाद राष्ट्रपति ने देर रात दोनों पक्ष के दावे को खारिज कर दिया। सरकार बनाने के दावा खारिज होने के बाद मध्य रात में ओली ने कैबिनेट की आकस्मिक बैठक बुलाई और संसद विघटन करने की सिफारिश की और मध्यावधि चुनाव नवंबर में करने का फैसला किया है. बता दें कि विपक्ष गठबंधन 149 सांसदों की हस्ताक्षर वाला पत्र लेकर शुक्रवार को राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी के पास पहुंचा था. पत्र में कहा गया था कि वह कांग्रेस सभापति शेर बहादुर देउवा को प्रधानमंत्री बनाने का दावा पेश करते हैं. इस पर राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने कहा कि वह इस विषय में कानून भी देखेंगी.

वहीं माओवादी केंद्र के प्रवक्ता नारायण काजी श्रेष्ट ने बताया कि प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली भी बहुमत का दावा पेश करने के लिए राष्ट्रपति के पास आए थे. उनको भी राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी ने ये कहते हुए लौटा दिया था कि वह इस विषय पर कानून देखेंगी. विपक्षी गठबंधन ने कहा कि ओली ने सांसदों की हस्ताक्षर प्रस्तुत नहीं किया है इसलिए उनके दावे का कोई अर्थ नहीं है।

तमिलनाडु में एक हफ्ते के लिए बढ़ा पूर्ण लॉकडाउन

एजेंसी, चेन्नई

तमिलनाडु में कोरोना संक्रमण पर काबू पाने के लिए राज्य में लगाया गया लॉकडाउन मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बढ़ाने का फैसला लिया है. राज्य में लॉकडाउन एक हफ्ते के लिए बढ़ाया जा रहा है. सीएम स्टालिन ने पार्टी और स्वास्थ्य विशेषज्ञों से विचार-विमर्श के बाद ये फैसला लिया है. 24 मई को तमिलनाडु में पूर्ण लॉकडाउन की अवधि पूरी हो रही थी. हालांकि अब 24 मई से अगले एक हफ्ते तक संपूर्ण लॉकडाउन लागू रहेगा. इस दौरान जनता को किसी भी तरह की ढील नहीं दी जाएगी।

लॉकडाउन की अवधि में फार्मेसी, मेडिकल स्टोर, वेटरनरी क्लीनिक, दूध, पानी की सप्लाई और अन्य ज़रूरी चीजों के लिए दुकानें खुली रहेंगी. इस दौरान समाचार पत्रों के वितरण कार्यालय भी खुले रहेंगे. लॉकडाउन के दौरान सब्जियों और फलों की फुटकर दुकानें बंद रहेंगी, लेकिन लोगों की रोजमर्रा की ज़रूरत को देखते हुए चेन्नई शहर और अन्य जिलों में बागवानी विभाग और स्थानीय निकाय की मदद से इन्हें लोगों तक पहुंचाया जाएगा।राज्य के सभी आवश्यक विभागों में सचिवालय के जरिये काम होगा. प्राइवेट फर्म्स, बैंक, बीमा कंपनियों, आईटी और आईटीईएस स्टाफ को घर से काम करने की अनुमति होगी. लॉकडाउन के दौरान पेट्रोल पंप, एटीएम, कृषि सामान ले जाने वाले वाहन और जरूरी सामग्री ले जाने वाले वाहनों को छूट होगी।

प्राकृतिक आपदा: चीन में सिलसिलेवार आए भूकंप में तीन लोगों की मौत, 27 से ज्यादा हुए घायल

एजेंसी, बीजिंग

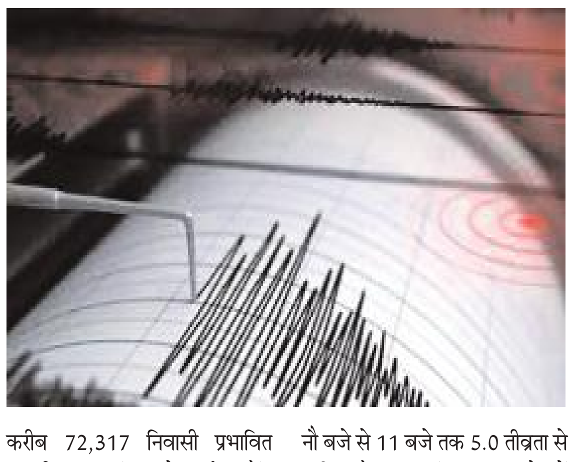

चीन में युन्नान प्रांत की यांग्बी यी स्वायत्त काउंटी में एक के बाद एक आए भूकंप में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई और 27 अन्य घायल हो गए. सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) के प्रांत के प्रमुख यांग गुओजोंग ने बताया कि दाली बाइ स्वायत्त प्रांत की सभी 12 काउंटी और शहरों में भूकंप के झटके महसूस किए गए लेकिन यांग्बी सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ. यांग्बी काउंटी में दो लोगों की और योंगपिंग काउंटी में एक व्यक्ति की मौत हुई। तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए तथा 24 अन्य को मामूली चोटें आई है. भूकंप से 20,192 मकानों में रह रहे करीब 72,317 निवासी प्रभावित हुए.चीन भूकंप नेटवर्क केंद्र (सीईएनसी) के अनुसार, यांग्बी में रात नौ बजे से 11 बजे तक 5.0 तीव्रता से अधिक के चार भूकंप आए. इस क्षेत्र में देर रात दो बजे तक भूकंप के बाद के 166 झटके महसूस किए गए. बचाव दलों को भूकंप से प्रभावित क्षेत्रों में भेजा गया है और बचाव अभियान चल रहा है.

शिन्हुआ ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि उत्तर पश्चिम चीन के किंगघई प्रांत में शनिवार को 7.4 तीव्रता का भूकंप आया लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

सीईएनसी के मुताबिक, बीजिंग के समयानुसार शुक्रवार देर रात दो बजकर चार मिनट पर प्रांत में गोलोग तिब्बत स्वायत्त प्रांत की मादुओ काउंटी में भूकंप आया. मादुओ से 385 किलोमीटर दूर प्रांतीय राजधानी शहर शिनिंग के निवासियों ने भी भूकंप के झटके महसूस किए।

देश में कोरोना के 78% केस 10 राज्यों से एक्टिव मामलों में दर्ज की जा रही गिरावट

एजेंसी, नई दिल्ली

स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि केवल 7 राज्यों में ही कोरोना वायरस के 10,000 से ज्यादा नए मामले सामने आ रहे हैं और 6 राज्यों में 5000 से 10,000 केस सामने आ रहे हैं. स्वास्थ्य मंत्रालय के संयुक्त सचिव लव अग्रवाल ने कहा कि इन राज्यों में महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, पंजाब और दिल्ली हैं. लव अग्रवाल ने कहा कि 93 से ज्यादा जिलों में नए मामलों में लगातार कमी दर्ज की जा रही है. संयुक्त सचिव ने कहा कि 1,00,000 से अधिक सक्रिय मामले घटकर अब केवल 8 राज्यों में रह गए हैं. 50,000-1,00,000 के बीच सक्रिय मामले वाले राज्य 8 हो गए हैं. उन्होंने कहा कि 50,000 से कम सक्रिय मामले वाले 20 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश हैं। लव अग्रवाल ने कहा कि 18 राज्य ऐसे हैं जहां पॉजिटिविटी 15त्न से अधिक है, जिनमें लगभग सभी राज्यों में पॉजिटिविटी रेट में लगातार कमी दर्ज़ की जा रही है. उन्होंने कहा कि 5त्न-15त्न पजिटिविटी वाले 14 राज्य हैं, वहीं 4 राज्यों में 5त्न से कम पॉजिटिविटी है. उन्होंने कहा कि पिछले 20 दिनों से देश में सक्रिय मामलों में कमी देखी जा रही है. 3 मई को देश में 17.13फीसदी सक्रिय मामले थे।

ताउते तूफान की तबाही | अब तक नहीं हो सकी 30 की शिनाख्त

बार्ज पी-305: सर्च ऑपरेशन में मिले 61 शव

एजेंसी, मुंबई

अरब सागर से उठे टाउते तूफान ने देश के कई हिस्सों में तबाही मचाई. मुंबई से थोड़ी दूर समंदर में चक्रवाती तूफान टाउते की चपेट में आकर डूबे बार्ज पी-305 जहाज में सवार लोगों को ढूंढने का सिलसिला अब भी जारी है. जहाज में मौजूद ओएनजीसी के कई कर्मचारियों की मौत हो गई और लोग लापता हो गए हैं. जहाज में सवार 186 लोगों को बचाया जा चुका है, जबकि 61 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं. मुंबई पुलिस के मुताबिक अब तक 31 शवों की पहचान हो गई है, जबकि 30 की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

मुंबई पुलिस अब शवों की शिनाख्त के लिए डीएनए की मदद ले रही है. पुलिस ने इस संबंध में डीएनए सैंपल के लिए डिमांड जारी कर दी है. मुंबई पुलिस ने इसके लिए 40 सैंपलिंग किट की मांग रखी है. रेस्क्यू में अब तक 61 शव मिले हैं, जिनमें से 30 की हालत बेहद खराब बताई जा रही है. ये शव काफी ज्यादा डिकंपोज हो चुके हैं, जिसके चलते इनकी पहचान करना काफी मुश्किल हो रहा है. अब फॉरेंसिक लैब की मदद से इन शवों के डीएनए सैम्पलिंग किट के जरिए लिए जाएंगे. इसके बाद में उन परिवारवालों के डीएनए से मैच किया जाएगा, जिनके घर के सदस्य अभी भी लापता हैं. मुंबई पुलिस अधिकारी ने बताया है कि अब तक 28 क्रू मेंबर्स के परिवार की पहचान के बाद शव सौंप दिए गए हैं।

बार्ज में सवार थे 261 लोग

तूफान के दौरान समंदर के बीच फंसे बार्ज क्क305 में हादसे के वक्त कुल 261 लोग सवार थे. नौसेना के सर्च एंड रेस्क्यू ऑपरेशन में 186 लोगों को बचाया जा सका है, जबकि 61 लोगों के शव बरामद किए जा चुके हैं. अब भी जो लोग लापता हैं, उनके लिए भारतीय नौसेना और कोस्टगार्ड लगातार जुटे हुए हैं. टाउते तूफान गुजरने के बाद भी मौसम पर इसका असर दिखाई दे रहा है।

सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों के संबद्धिकरण में पूर्ति निरीक्षक कर रहे मनमानी

जन जन जागरण

मड़ावरा (ललितपुर)। तहसील मड़ावरा क्षेत्र में तैनात पूर्ति निरीक्षक अधिकारी नियमों को ताक पर रखकर सस्ते गल्ले की दुकानों का संवद्धिकरण कर रहे हैं।जिससे राशनकार्ड धारक ग्रामीण खासे परेशान हैं। प्राप्त जानकारी में ज्ञात हुआ है कि नियमानुसार अगर कोई सस्ते गल्ले की दुकान निलंवित होती है तो उसे नजदीकी दुकान से सम्बद्ध किया जाय लेकिन पूर्ति निरीक्षक अधिकारी अपनी मनमानी करते हुए अपने चहेते राशन विक्रेता की दुकान में सम्बद्ध करवा देते हैं।आलम यह है कि न तो ग्रामीणों की परेशानियों का ध्यान रखा जाता है और न ही विभागीय दिशा निर्देशों की चिंता की जाती है।स्थिति यह है कि निलंवित दुकान को कई किलोमीटर दूर अपने चहेतों की दुकानों में सम्बद्ध कराने में जरा भी गुरेज नही करते हैं।बताते चलें कि मड़ावरा क्षेत्र के इकौना गाँव की सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान को छपरोनी, मड़ावरा की दुकान को रनगांव में,भौती की हसेरा,अगोड़ी की नेकोरा में, बरोदिया की बरखेड़ा,सिगरवारा की पारोल, बछरई की मकारीपुर, कारीटोरन की पीडार,और रमेशरा की सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान को सम्बद्ध किया गया है।इस दुकान संबद्धिकारण में न तो दूरी का ही ख्याल रखा गया है और न ही ग्रामीणों को आने जाने की सुविधा का ख्याल रखा गया है।कुछ दुकानें तो वर्षो से सम्बद्ध चल रही है। जिन्हें न तो बहल किया जा रहा है और न ही नये दुकानदार चयन कें लिये प्रस्ताव ही डलवाया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार जिन ग्रामीणों के अंगूठे मशीन पर नही आते हैं उन्हें सस्ते गल्ले को उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रशासन ने प्रॉक्सी सिस्टम रखा है इस सिस्टम में मात्र आधार कार्ड के अनुसार सस्ता राशन उपलब्ध कराया जाता है। इस नियम का भी सरकारी सस्ते गल्ले के दुकानदारों द्वारा दुरुपयोग करने की भी ग्रामीणों में चर्चा होने आम बात बन गया है।हालांकि सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के निरीक्षण के लिए भी दुकानदारों को मड़ावरा में ही एक नियत स्थान पर बुलाकर निरीक्षण किये जाने के लिए पूर्ति निरीक्षक चर्चा में बने रहते हैं। वही दूसरी ओर कुछ सरकारी सस्ते गल्ले के दुकानदार दबी जुवान में बताते हैं कि सरकारी माल गोदाम प्रभारी द्वारा भी मनमानी करते हुए बगैर तौल किये राशन सामग्री दुकानदारों को दी जाती है। जो वितरण के समय कम पड़ जाती है। इस कमी को छुपाने के लिए,पूर्ति निरीक्षक अधिकारी को खुश करना पड़ता है।

लॉक डाउन में व्यापारी मस्त, प्रशासन पस्त

पुलिस प्रशासन द्वारा बार बार समझाने के बाद भी खोल रहे प्रतिष्ठान

मजबूरी का फायदा उठा कर,प्रेंट रेट से भी ज्यादा में बेची जा रही सामग्रियां

प्रशासनिक अधिकारियों की चेतावनी के बावजूद भी होम कोरेंटिन रह रहे लोगों द्वारा खुले जा रहे हैं अपने-अपने प्रतिष्ठान

जन जन जागरण

पाली। तहसील पाली में व्यापारियों द्वारा कोविड 19 गाइडलाइंस की उड़ाई जा रही धज्जियां। पाली व्यापारियों द्वारा अपने-अपने प्रतिष्ठान खोले जा रहे हैं। व्यापारियों को बार-बार दिशा निर्देश दिए गए हैं कि सभी व्यापारी भाई कोविड-19 का पालन करें और सभी व्यक्ति अपने अपने प्रतिष्ठान बंद रखें। सिर्फ किराना, दूध, डेयरी, मेडिकल, अस्पताल ही खुले जाएं। पाली उप जिलाधिकारी अविनाश त्रिपाठी, पाली तहसीलदार अभिषेक कुमार, नायाब तहसीलदार विनोद कुमार, पाली क्षेत्रीय अधिकारी एवं पाली थाना अध्यक्ष कृष्ण वीर सिंह द्वारा सभी व्यापारियों को दिशा निर्देश दिए गए थे की जरूरत वाले ही प्रतिष्ठान खोले जाएं और कोविड-19 गाइडलाइंस का पालन कराया जाए। पाली में व्यापारी मस्त, पुलिस प्रशासन पर दिख रहा है। प्रशासन अधिकारी कोविड 19 गाइडलाइंस का पालन नहीं करा पा रहे हैं। उड़ा रहे खुले आम कोविड 19 गाइडलाइंस की धज्जियां। पाली व्यापारियों द्वारा खोलीं जा रही लगभग सभी दुकानें। व्यापारियों से सामग्री लेने आ रहे ग्राहकों को का कहना है कि व्यापारियों द्वारा भोले भाले ग्राहकों को प्रिंट रेट से कई गुना दामों पर सामग्री बेचा जा रहा है।और कई जगह औरेजनल की जगह डुप्लीकेट कॉपी सर का सामान सप्लाई किया जा रहा है। कस्बा पाली में मरीजों को रखा गया होमकोरिटिन जिनकी घर की बेरी केटिंग नगर पंचायत द्वारा कराई गई थी परंतु उसके बावजूद भी वह व्यक्ति अपने अपने खोल रहे प्रतिष्ठान और घुम रहे खुले में।

अन्नावि दिनेशकुमार ने तहसील ललितपुर में कम्युनिटी किचिन का निरीक्षण किया

ललितपुर, जन जन जागरण। लॉक डाउन की अवधि में कोई भी व्यक्ति भूखा न रहे, इसलिए जिला प्रशासन की ओर से तहसील ललितपुर में कम्युनिटी किचिन (सामुदायिक रसोई) की शुरुआत की गई है। इस सामुदायिक रसोई में जनपद के असहाय एवं गरीब व्यक्तियों को प्रतिदिन भोजन उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। उक्त रसोई में भोजन की गुणवत्ता का जायजा लेने के लिए जिलाधिकारी ने स्वयं भोजन को चखकर देखा तथा भोजन की प्रसंशा भी की। इसके उपरांत उन्होंने नगर में भृमण कर असहाय एवं गरीब व्यक्तियों में भोजन का वितरण किया।

विशेष सफाई अभियान के दौरान जॉन प्रथम के समस्त 13 वाडो मे सैनिटाइजेशन का कार्य किया गया

जन जन जागरण

ललितपुर। नगर पालिका परिषद द्वारा शासनादेश के अनुपालन मे दो दिवसीय लॉकडाउन के अंतर्गत जॉन प्रथम के समस्त वाणिज्य क्षेत्र घंटाघर जूता चप्पल लाइन नजाई बाजार सुपर मार्केट तुवन चौराहा बाणी चौराहा स्टेशन आदि क्षेत्रों में दो स्प्रे टैंकर मशीन एक जेटिंग मशीन तथा चार पेट्रोल चलित मशीनों का प्रयोग करते हुए सोडियम हाइपोक्लोराइट का छिड़काव कर सैनिटाइजेशन का कार्य कराया गया विशेष सफाई अभियान के दौरान जॉन प्रथम के समस्त 13 वाडो मे प्राता: 6.00 बजे से दोपहर 2:00 बजे तक नियमित सफाई कराते हुए निकले कूड़े का उठान कराया गया तथा निकले कूड़े का निस्तारण कराते हुए कीटनाशकों का छिड़काव कराया गया जॉन प्रथम के समस्त वार्ड पार्षदों के सहयोग से निगरानी समिति को सक्रिय करते हुए डोर टू डोर सर्वे का कार्य प्रगति पर है जिसमें घर घर जाकर वार्ड वासियों के कोरोना के लक्षणों की जांच कराते हुए कोविड-19 की गाइडलाइन का प्रचार प्रसार किया जा रहा है उक्त अभियान शासनादेश के अनुपालन मैं जिलाधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी के निर्देशों के क्रम में एवं सफाई एवं खाद्य निरीक्षक संदीप कुमार के नेतृत्व में चलाया गया अभियान के दौरान जॉन प्रथम के समस्त वार्ड पार्षदों सहित स्वास्थ्य नायक लिपिक अमित पाराशर समीम खान जॉन पर्यवेक्षण अजय कुमार अमित कुमार आदर्श करोसिया अभिषेक कुमार जॉन प्रथम समस्त स्वास्थ नायक सहित सैनिटाइजेशन टीम आदि उपस्थित रहे।

गरीब कन्याओं की शादियो में दान किये ग्यारह ग्यारह हजार रूपये

जन जन जागरण

ललितपुर। ग्राम पंचायत चीराकोड़र के ग्राम प्रधान साहब सिंह यादव द्वारा गरीब कन्याओं की शादियों में ग्यारह ग्यारह हजार रूपये दान दिये गये है गरीब के लिये उसकी बेटी की शादी की चिन्ताये लगी रहती है और अक्सर गरीब आदमी अपनी बेटी की शादी के लिये घर जमीन बेचकर कर्जदार तक हो जाते है ऐसे में अगर कोई समाजसेवी आकर मदद कर देते है तो गरीब का परिवार बिटिया के ब्याह के चक्कर में साहूकार के कर्जदार होने से बच जाता है अभी तक जिन कन्याओं की शादियो में ग्यारह ग्यारह हजार रूपये दान दिये गये है उन कन्याओं में लाड़कुंवर कुशवाहा पिता धनीराम कुशवाहा ग्राम चीराकोड़र, कृष्णा कुशवाहा पिता प्रकाश कुशवाहा ग्राम चीराकोड़र, सेतकुमारी पिता नाथूराम कुशवाहा ग्राम चीराकोड़र, पूजा पाल पिता राजधर (पप्पू) पाल ग्राम चीराकोड़र, रोशनी अहिरवार पिता प्रेम अहिरवार ग्राम चीराकोड़र, सीमा अहिरवार पिता स्वर्गीय आलम अहिरवार ग्राम चीराकोड़र, अनीता अहिरवार पिता मुन्नालाल अहिरवार ग्राम मैखुवां, सपना अहिरवार पिता रमेश अहिरवार ग्राम मैखुवां, रूबी अहिरवार पिता श्यामलाल अहिरवार ग्राम मैखुवां शामिल है ग्राम प्रधान चीराकोड़र के साहब सिंह यादव अभी तक इन 9 कन्याओं की शादियों में ग्यारह ग्यारह हजार रूपये दान दे चुके है और गरीब की मदद करके अपनी बिटिया की तरह गरीब की बेटी की विदाई की समाज में ऐसे ही लोगों की आज सख्त जरूरत है जो अपने गांव की बेटी को अपनी बेटी समझे और गरीब की मदद को आगे आये।

अन्नावि दिनेशकुमार ने नया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बुढ़वार, विकास खण्ड, जखौरा का निरीक्षण किया

जन जन जागरण

ललितपुर। नया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दैलवारा के निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी अन्नावि दिनेशकुमार ने नया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, बुढ़वार, विकास खण्ड, जखौरा का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान इस केन्द्र पर साफ सफाई, अभिलेखों के रखरखाव, इमारत की स्थिति एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। मौके पर उपस्थित उप जिलाधिकारी एवं चिकित्सा अधीक्षक को निर्देशित किया गया वह स्वयं भी ग्राम में बैठक कर एवं लेखपाल, उचित दर राशन विक्रेता, आशा, प्रधान, सहायिका आंगनबाडी गॉव में घूम-घूम कर ग्रामीणों को वैक्सीनेशन के लाभ की जानकारी प्रदान करते हुये त्वरित गति से शत प्रतिशत वैक्सीनेशन कराना सुनिश्चित करें।

यहां पर वैक्सीनेशन हेतु आने वाले व्यक्तियों के लिये ऑब्जरवेसन रूम बना होना पाया गया। इस ग्राम के कुल मतदाता 4450 है, जिसमें से 45 वर्ष से ऊपर के 499 व्यक्तियों को प्रथम डोज पूर्व में दी जा चुकी हैं तथा 179 व्यक्ति प्रथम डोज अभी तक नहीं ली गयी गयी। श्रीमती सरोज (आशा) के क्षेत्र में 06 व्यक्तियों द्वारा एवं श्रीमती जयन्ती (आशा) के क्षेत्र में 03 व्यक्तियों अर्थात कुल-9 व्यक्तियों द्वारा ही द्वितीय डोज ली गयी हैं। मौके पर उपायुक्त, मनरेगा/जिला कार्यक्रम अधिकारी, ललितपुर को निर्देशित किया जाता है कि ग्राम निगरानी समिति के सदस्यों के साथ समुचित सहयोग करने हेतु आदेशित करें, ताकि वैक्सीनेशन का कार्य तीव्र गति से पूर्ण किया जा सके। इसके साथ ही उप जिलाधिकारी सदर एवं मेडिकल स्टॉफ यह निर्देश दिये गये कि कोविड-19 के तहत ग्राम में पाये जाने वाले संदिग्ध एवं कोरोना पॉजिटिव मरीजों के उपचार हेतु आवश्यक सभी प्रबन्ध किये जायें इसमें किसी प्रकार की शिथिलिता न बरती जाये। ग्राम प्रधान एवं अन्य जनप्रतिनिधियों तथा ग्रामीणों से यह अपेक्षा की गयी कि बैक्सीनेशन के कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता के आधार पर शतप्रतिशत पूर्ण किया जाये। प्रत्येक जिम्मेदार नागरिक का यह दायित्व है कि वह बैक्सीनेशन कराने में ग्रामीणों को प्रेरित करें ताकि किसी भी व्यक्ति को कोविड-19 संक्रमण न हो पाये।

अन्नपूर्णा सेवा संघ ने ऑक्सीजन के 40 सिलेंडर जिला अस्पताल में प्रशासन को उपयोग हेतु प्रदान किए

जन जन जागरण

ललितपुर। कोविड-19 महामारी को देखते हुए ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति के लिए 40 ऑक्सीजन सिलेंडर की उपलब्धता जिला अस्पताल में ऑक्सीजन आपूर्ति में बाधा आने की वजह से गंभीर मरीजों को बहुत समस्या आ रही थी जिसको देखते हुए ललितपुर में अन्नपूर्णा सेवा संघ द्वारा अन्नपूर्णा ऑक्सीजन बैंक बनाया गया जिसमें श्री सनातन सेवा ट्रस्ट की ओर से श्री रवि तिवारी जी ने अन्नपूर्णा ऑक्सीजन बैंक को 80 सिलेंडर उपलब्ध कराएं जिसमें से 47 लीटर की क्षमता वाले 20 जम्बो सिलेंडर व 10 लीटर की क्षमता वाले 20 ऑक्सीजन सिलेंडर तथा 20 ऑक्सीजन फ्लोमीटर रेगुलेटर सहित श्री जिलाधिकारी महोदय और मुख्य चिकित्सा अधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधीक्षक की उपस्थिति में प्रशासन को उपयोग हेतु निशुल्क उपलब्ध कराएं इस आशा के साथ कि भविष्य में जब भी इनका उपयोग कार्य समाप्त हो जाए तो ऑक्सीजन सिलेंडर उन्हें संस्था के पास प्रशासन वापस कर देगा । मरीजों की शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए जिलाधिकारी ने कहा की ललितपुर में 14 वेंटिलेटर में बफर सिलेंडर ना होने के कारण केवल चार वेंटिलेटर काम आ रहे हैं पहले जैन समाज द्वारा भी 20 जम्मू ऑक्सीजन सिलेंडर प्रदान किए थे और अब अन्नपूर्णा सेवा संघ द्वारा 40 सिलेंडर दिए गए हैं इससे निश्चित रूप से मरीजों के इलाज में काफी राहत मिलेगी उनको निर्बाध रूप से ऑक्सीजन दी जा सकेगी । इसी प्रकार अगर शहर के अन्य संस्थाएं भी प्रशासन का सहयोग करती है तो निश्चित रूप से हम कोरोना से इस लड़ाई को जीत सकते हैं जब तक की ऑक्सीजन का प्लांट शुरू नहीं हो जाता है तब तक मरीजों के लिए यह ऑक्सीजन सिलेंडर समस्याओं को दूर करेगा अभी कुछ समय से कोविड-19 के मरीज कम निकल रहे हैं लेकिन हम सभी को कोविड-19 की तीसरी लहर ना आ पाए इसके लिए सावधानी रखनी चाहिए हमको दूरी बनाकर रखनी चाहिए हमारी गलती से तीसरी लहर ना आ जाए इस बात का ध्यान रखना है । साथ में जिलाधिकारी महोदय ने आज दोपहर की अन्नपूर्णा भोजनशाला का भोजन परसकर विधिवत रूप से शुभारंभ किया जो कि संरक्षक अरविंद कुमार जैन श्रीमती मनोरमा जैन की शादी सालगिरह पर आयोजित हो रही थी तथा वहां पर खाना खा रहे पात्रों से जानकारी ली और कहा कि निश्चित रूप से कोरोना काल व अन्य समय में जो अन्नपूर्णा सेवा संघ द्वारा अन्नपूर्णा भोजन शाला में दोनों समय निशुल्क खाना खिलाया जा रहा है उससे जिले में कोई भी व्यक्ति भूखा नहीं सोता होगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने कहा कि अन्नपूर्णा सेवा संघ ने अन्नपूर्णा ऑक्सीजन बैंक बनाकर शहर को राहत की सांस दी है अब शहर में कालाबाजारी पर अंकुश आ गया है संस्था अन्नपूर्णा सेवा संघ द्वारा निशुल्क ऑक्सीजन देने से गंभीर मरीज लोग अपना अच्छे से इलाज करा पा रहे हैं । मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ हरेंद्र सिंह सिंह चौहान ने बताया की अन्नपूर्णा सेवा संघ द्वारा जिला अस्पताल परिसर में दोनों समय सुबह और शाम मरीजों के परिजनों और शहर के अन्य जरूरतमंदों को निशुल्क भोजन करा कर अच्छा कार्य किया जा रहा है उसी कार्य को आगे बढ़ाते हुए अब जिला अस्पताल में वह 40 सिलेंडर देकर मरीजों को ऑक्सीजन देने का कार्य कर रहे हैं जिससे कई गंभीर मरीजों की जान बचाने में मदद मिलेगी इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी श्री अनिल कुमार मिश्रा ,अपर जिलाधिकारी श्री लवकुश त्रिपाठी, सीएमओ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ डी के गर्ग ,अन्नपूर्णा भोजन शाला के संरक्षक राम शरण अग्रवाल, उपाध्यक्ष जगजीत सरदार बॉबी ,कोषाध्यक्ष स्वदेश अग्रवाल डब्बू, उपाध्यक्ष आदर्श रावत ,डॉक्टर दीपक चौबे , अरविंद साद प्रदीप साहू व अन्नपूर्णा ऑक्सीजन बैंक के प्रभारी विनय ताम्रकार उपस्थित रहे।

» न्यूज कैप्सूल

कोविड-19 कंट्रोल रूम में अब 13 नंबर सक्रिय रहेंगे

ललितपुर, जन जन जागरण। सभी जनप्रदेशवासियों को सूचित किया जाता है कि कोविड-19 कंट्रोल रूम में अब 13 नंबर सक्रिय रहेंगे, जिनमें से 12 लैण्डलाइन और एक मोबाइल नंबर होगा। इसके अलावा इन सभी नंबरों को हंटिंग लाइन से जोड़ा गया है, जिसमें किसी भी एक नंबर पर फोन करने पर अगर वह व्यस्त रहता है तो कॉल ऑटोमेटिकली दूसरे नंबर पर चली जाएगी। इससे किसी भी मरीज को दवा हेतु विलम्ब नहीं करना होगा।

कोविड-19 कंट्रोल रूम में सम्पर्क करने हेतु नम्बर इस प्रकार है:

05176-272349, 05176-272914, 05176-272335, 05176-272613, 05176-277399, 05176-272700, 05176-272392, 05176-272800, 05176-272200, 05176-274371, 05176-272350, 05176-272454, 94544163745

यह जानकारी दी गई है कि जनपदवासी कोविड-19 संक्रमण से सम्बंधित किसी भी समस्या के लिए उक्त नम्बरों पर फोन कर समस्या का समाधान करा सकते हैं, इसके साथ ही होम आईसोलेशन के जिन मरीजों में सिम्पटम्स हैं, या वे अस्वस्थ हैं तो उक्त नम्बरों पर सम्पर्क कर दवा की मांग कर सकते हैं। सूचना मिलने में पुलिस की टीम द्वारा सम्बंधित मरीज के घर पर ही दवा की किट उपलब्ध करा दी जाएगी, इसके लिए सभी थानों में दवा की पर्याप्त किटें उपलब्ध करा दी गई हैं।

इसके साथ ही जिला प्रशासन ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे कोविड गाइडलाइन का अनिवार्य रुप से पालन करें, मास्क पहनें व सोशल डिस्टेंसिंग बनाये रखें और बिना कारण घर से न निकलें।

सैदपुर फीडर से जुड़े सतवांसा सहित दर्जनों गांव में एक सप्ताह से विद्युत आपूर्ति नहीं मिल पा रही

ललितपुर, जन जन जागरण। विद्युत सब स्टेशन महरौनी से निकले सैदपुर फीडर से जुड़े दर्जनों गांव के लोगों की विद्युत से संबंधित समस्याएं खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। स्थिति यह है कि सैदपुर फीडर से जुड़े सतवांसा सहित दर्जनों गांव में एक सप्ताह से विद्युत आपूर्ति नहीं मिल पा रही है, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने विभागीय अधिकारियों से क्षेत्र की बदहाल विद्युत व्यवस्था को सही कराने की मांग की है।

सैदपुर फीडर से जुड़े दर्जनों गांव की विद्युत व्यवस्था लाइनमैनों की मनमानी के चलते बद से बदतर हो गई है। इन गांवों को सरकार द्वारा बिजली आपूर्ति के लिए जारी रोस्टर का भी पालन नहीं किया जा रहा है। यह सिलसिला सालों से चल रहा है। इन गांवों में की विद्युत कटौती की स्थिति यह है कि सप्ताह में तीन दिन ही बिजली मिल पा रही है। इस समय इन गांवों में एक सप्ताह से बिजली नहीं मिली है। इस समय पूरा देश वैश्विक महामारी कोविड 19 से जूझ रहा है। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए जारी नियमों का पालन कराते हुए ज्यादातर घर में ही रहने की अपील शासन प्रशासन द्वारा लगातार की जा रही है लेकिन इस गर्मी एवं उमस भरे मौसम में बिना बिजली के घर में रहना ग्रामीणों के लिए मुश्किल हो रहा है।

मोबाइल चार्ज करने के भी लाले पड़ गए हैं। सतवांसा के ग्रामीणों का कहना है की विद्युत कटौती का यह खेल सालों से चल रहा है। कभी दो फेस आते हैं तो कभी लो वोल्टेज आता है, जिससे ग्रामीणों को गेहूं पिसवाने के लिए अन्य जगह भागना पड़ता है। सतवांसा, देवरान, भोंटा सिमिरिया, बुदनी बारचौन, सक्कू, भोंटी आदि गांव के लोग लंबे समय से अघोषित विद्युत कटौती एवं लो वोल्टेज से जूझते चले आ रहे हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी एवं विद्युत विभाग के अधिकारियों से समस्या के समाधान की मांग की है। कपिल पटैरिया, रंजीत, पप्पू, अरविन्द्र पटैरिया, संजू, कल्लू सेन, रामकमार सेन ने जिलाधिकारी से समस्या हल कराने की मांग की है।

ग्रामीणों का हालचाल पूछने के लिए अब कांग्रेस के कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचेंगे

ललितपुर, जन जन जागरण। ग्रामीणों का हालचाल पूछने के लिए अब कांग्रेस के कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचेंगे। इस दौरान जरूरतमंदों को दवाई, सैनिटाइजर व मास्क भी वितरित करेंगे। इस बात की जानकारी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की पुण्यतिथि पर आयोजित कार्यक्रम में दी गई।

जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों ने जिला प्रभारी एवं प्रदेश सचिव मनीराम कुशवाहा की उपस्थिति में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की 30वीं पुण्यतिथि पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके पश्चात जिला अस्पताल में मरीजों एवं उनके तीमारदारों को भोजन कराया गया। वर्चुअल बैठक में जिला प्रभारी मनीराम कुशवाहा ने कहा कि प्रत्येक ब्लाक, न्याय पंचायत एवं गांव स्तर पर जरूरतमंद लोगों को दवाइयां, सैनिटाइजर एवं मास्क वितरित किए जाएंगे। ब्लॉक अध्यक्षों को इसकी जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिलाध्यक्ष बलवंत सिंह राजपूत के नेतृत्व में ब्लॉक स्तर पर ब्लॉक अध्यक्षों के माध्यम से हेल्प लाइन सेवा शुरू की जा रही है। इस दौरान प्रदेश सचिव उवेश खान, पीसीसी सदस्य बहादुर अहिरवार, पीसीसी सदस्य बिट्टू राजा, नगर अध्यक्ष हरीबाबू शर्मा, महासचिव राकेश रजक, उपाध्यक्ष प्रदीप रिछारिया , जाहिर सिंह बघेल, अखिलेश मलैया, नेहा शर्मा, असलम खान, ब्लाक अध्यक्ष सुशील श्रीवास, बृजेश शांडिल्य, धर्म सिंह वर्मा, वैभव जैन, खलक सिंह राजपूत, यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अंकित यादव, महेंद्र पनारी, यूथ प्रदेश सचिव संजय जाटव, कुलदीप पाठक, एनएसयूआई अध्यक्ष मोंटी शुक्ला, ब्लॉक अध्यक्ष दीवान पुष्पेंद्र सिंह, अजय कुशवाहा, अशोक राय, मुकेश पार्षद, रामभरोसे कुशवाहा, बृजेश रजक, जयपाल सिंह राजपूत, सुरजीत राजपूत राहुल सेन कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

एक बाईक पर सवार पॉच लोग हुसे दुर्घटन में घायल

मड़ावरा (ललितपुर), जन जन जागरण। वैवाहिक समारोह से लौट रही एक महिला, दो छोटी बालिकाओं समेत पांच ग्रामीण बाइक दुर्घटना में घायल हो गए। सभी को एंबुलेंस से मड़ावरा अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकीय टीम ने उनका उपचार किया। हादसे के दौरान घायल पांचों ग्रामीण एक ही बाइक पर सवार थे। वैवाहिक समारोह से लौट रहे पांच लोग गदौरा से अपने गांव डोंगरा खुर्द जा रहे थे। ग्राम छपरौनी के नजदीक सामने से आ रही एक बाइक से उनकी बाइक टकरा गई जिससे पांचों घायल हो गए। प्राथमिक उपचार के बाद घायलों को डिस्चार्ज कर दिया गया। थाना गिरार अंतर्गत ग्राम खैरपुरा निवासी 30 वर्षीय अशोक पुत्र श्याम अहिरवार अपनी बाइक से रिश्तेदारी में गांव डोंगरा खुर्द से एक वैवाहिक कार्यक्रम में थाना नाराहट के गांव गदौरा गया था। शुक्रवार सुबह वह वहां से लौट रहा था। बाइक पर मध्यप्रदेश के थाना बड़ागांव के ग्राम भेला निवासी 19 वर्षीय धनीराम पुत्र दिब्बू, डोंगरा खुर्द निवासी 25 वर्षीय कुंवरबाई पत्नी गोकुल, उसकी एक वर्ष की बच्ची शिवानी और डोंगरा खुर्द की 10 वर्षीय पूजा पुत्री लक्ष्मण भी बैठे थे। एक ही बाइक पर सवार यह पांचों अभी थाना मड़ावरा के गांव छपरौनी पहुंचे थे तब सामने से आ रही एक अन्य बाइक से उनकी बाइक टकरा गई। टक्कर लगने से पांचों लोग छिटक कर गिर गए और घायल हो गए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आगमन आज, लोगों की लगी निगाहें

3:30 घंटे रहेंगे झांसी में, गांव का करेंगे निरीक्षण, कोरोना से उपजे हालात पर होंगे रूबरू

झांसी। कोरोना की दूसरी लहर के कहर को थामने एवं संभावित तीसरी लहर के मुकाबले की तैयारियां का जायजा लेने एवं कोरोना से उपजे वर्तमान हालात की प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को झांसी आ रहे हैं । यहां पर वह स्थिति की समीक्षा करेंगे एवं स्थलीय निरीक्षण करेंगे। मैं मरीजों से मुलाकात कर हकीकत से रूबरू होंगे व जनप्रतिनिधियों से भी मिलेंगे और फीडबैक लेंगे। मुख्यमंत्री के आगमन का कार्यक्रम फाइनल होते ही प्रशासन की तैयारियों ने तेजी पकड़ ली है। हालांकि मुख्यमंत्री का आना पहले से ही निश्चित माना जा रहा था इसी के चलते अफसर पहले से ही तैयारियों में जुट गए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगातार प्रदेश के मंडलों का दौरा कर कोरोना से हालातों की समीक्षा कर रहे हैं । इसी के सिलसिले में मुख्यमंत्री का 23 मई को बुंदेलखंड के झांसी व चित्रकूट दोनों मंडलों का दौरा बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि गत दिवस व वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी आवश्यक दिशा निर्देश दे चुके हैं । मुख्यमंत्री यहां आकर कोरोना से निपटने के लिए प्रशासन द्वारा किए जा रहे इंतजाम की समीक्षा करेंगे ।मुख्यमंत्री कोरोना से संक्रमित लोगों का हाल-चाल भी लेंगे । मुख्यमंत्री 30 मई तक कोरोना की दूसरी लहर को कंट्रोल में करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं एवं प्रशासनिक मशीनरी को तेजी लाने के निर्देश दे रहे हैं। जिससे किसी भी खतरे से निपटा जा सके। मुख्यमंत्री का दौरा इसलिए भी विशेष महत्वपूर्ण माना जा रहा है कि अकेले झांसी जनपद में शनिवार तक कोरोना से 511 लोगों की मौत हो चुकी है तथा जिले में वर्तमान में 1253 लोग कोरोना से संक्रमित हैं ।मेडिकल कॉलेज में रेमदेसीविर इंजेक्शन की चोरी करने वाला गिरोह पकड़ा जा चुका है । इस मामले में मेडिकल कॉलेज की चिकित्सकों व मेडिकल संचालकों की मिलीभगत से इनकार नहीं किया जा सकता है। लेकिन अभी तक इस काम को करने वाले सरगना अभी तक पुलिस की पकड़ से बाहर है । इसके अलावा सीपरी क्षेत्र में भी रेमदेसीविर इंजेक्शन की कालाबाजारी करते लोग पकड़े जा चुके हैं ।इतना ही नहीं मेडिकल कॉलेज में एक ऐसा गिरोह भी पुलिस के हत्थे चढ़ चुका है जो कोरोना से पीड़ित मरीजों के मरने का इंतजार करते थे और उनके मरने के बाद उनका मोबाइल फोन व अन्य सामग्री चुरा लेते थे ।झांसी जिले में सहित पूरे बुंदेलखंड में ऑक्सीजन की कमी के चलते अनेक लोग अपनी जान गवा चुके हैं ।इसके अलावा कोरोना की दवाई लोग बाजार में ओवररेट से खरीदने के लिए मजबूर रहे । वर्तमान में कोरोना से स्थिति नियंत्रण में है लेकिन ब्लैक फंगस ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। यह बीमारी उन लोगों को हो रही है जो कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं ।झांसी जिले में ब्लैक फंगस तेजी से पैर पसार रहा है। यह हाल पूरे बुंदेलखंड का है। जिले में 9 मरीज अभी तक अपना इलाज करा रहे हैं मेडिकल कॉलेज में इंजेक्शन उपलब्ध है लेकिन प्राइवेट में बाजारों से बाजारों में इंजेक्शन नहीं मिल रहे हैं ।मुख्यमंत्री को दवा की आपूर्ति की उचित व्यवस्था करनी चाहिए । कोरोना के चलते लोगों में दहशत व्याप्त है। हालांकि लॉकडाउन के चलते कोरोना के केसों में भारी गिरावट आई है। यह यह संतोषजनक है। लेकिन लगातार हो रही मौतों से लोगों में भय व्याप्त है ।ऐसा कोई दिन नहीं जा रहा है जिस दिन 5 या उससे अधिक लोगों लोग मौत के मुंह में ना समा रहे हो । हालांकि यह संख्या 1 दिन में 18 लोगों की मौत तक पहुंच चुकी है। मुख्यमंत्री के दौरे पर सबकी निगाहें लगी हैं।

मुख्यमंत्री के झांसी प्रवास का 2 मिनट का कार्यक्रम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 23 मई को झांसी दौरे पर आने पर मोहर लग गयी है। मुख्यमंत्री लगभग साढ़े तीन घण्टे झांसी में रुकेंगे। सरकारी विभागों में मुख्यमंत्री के आगमन से हलचल तेज हो गयी है। मुख्यमंत्री के पूर्वान्ह 10.55 बजे पुलिस लाइन हेलीपैड पर उतरेंगे और अपरान्ह 14.35 बजे बाँदा के लिए रवाना होंगे।

कोरोना काल में स्वास्थ्य सेवाओं का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री लगातार प्रदेश के दौरे पर हैं। अब तक वह एक दर्जन से अधिक जिलों की व्यवस्थाओं का जायजा लेकर निर्देश जारी कर चुके हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री 10.55 बजे झांसी आएंगे और इसके बाद वह इंटीग्रेटेड कोविड कमांड सेंटर का निरीक्षण करेंगे। 11.20 बजे वह आयुक्त सभागार पहुचेंगे और वहाँ मण्डल के जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व मेडिकल कालेज झांसी के अधिकारियों से समीक्षा करेंगे। 12.35 से 13.45 बजे तक वह एक गाँव का स्थलीय निरीक्षण करेंगे। 13.55 बजे वापस सर्किट हाउस आएगे। लगभग 30 मिनट रुकने के बाद वह 14.35 बजे पुलिस लाँइन से बाँदा के लिए उड़ान भरेंगे।

डॉक्टरों व कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा स्वास्थ्य विभाग

कोरोना के इलाज के लिए बीएएमएस डॉक्टरों की तैनाती हो

झांसी जनपद समेत पूरा बुंदेलखंड डॉक्टरों व कर्मचारियों की कमी से जूझ रहा है कोरोना काल में भी डॉ व कर्मचारी छुट्टी ले चुके हैं ।हालांकि प्रशासन की सख्ती के बाद अनेक डॉक्टर काम पर वापस लौट आए हैं। हालांकि अभी भी अनेक कर्मचारी व चिकित्सक व कर्मचारी गायब हैं। मुख्यमंत्री को चाहिए कि कोरोना काल से निपटने के लिए चिकित्सालयों में बीएमएस डॉक्टरों की नियुक्ति की जाए ।5 साल तक प्राप्त कर के डॉक्टर पूरी तरह योग्य होते हैं। भारत सरकार इन्हें सर्जरी की अनुमति दे चुकी है ।सरकार को चाहिए कि वह आवश्यकता अनुसार कुछ दिनों का प्रशिक्षण कराकर इन डाक्टरों की सेवाएं ले। झांसी ललितपुर के सांसद वैद्यनाथ के संचालक अनुराग शर्मा बीएएमएस डॉक्टरों की नियुक्ति की वकालत कर चुके हैं ।उन्होंने झांसी जिले में इन डॉक्टरों की सूची भी तैयार करने को कहा है। मुख्यमंत्री को चाहिए की वह इनकी नियुक्ति के लिए आदेश दें ।ये डॉक्टर कोरोना काल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इनकी सेवाएं ली जाएं ।चिकित्सकों की कमी बहुत हद तक दूर की जा सकती है।

» न्यूज कैप्सूल

गहोई वैश्य पंचायत के अध्यक्ष के बड़े भाई नहीं रहे श्रद्धांजलि

झांसी। शहर कांग्रेस कमेटी के तत्वाधान में शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अरविंद वशिष्ठ की अध्यक्षता में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता/ श्री गहोई वैश्य पंचायत झांसी के अध्यक्ष प्रकाश गुप्ता के बड़े भाई चंद्र प्रकाश नोगरईया पुत्र श्री स्व. रतन लाल नोगरईया झांसी का निधन हो गया उनके निधन पर के निधन पर पूर्व मंत्री भारत सरकार प्रदीप जैन आदित्य , राजेंद्र रेजा, राम प्रकाश अग्रवाल, राजेंद्र शर्मा एडवोकेट, शमीम शेख, भरत राय, अरविंद बबलू सभासद , जितेन भदोरिय, देवी सिंह कुशवाहा, अजय मिश्रा एडवोकेट जिला अध्यक्ष विधि प्रकोष्ठ, गिरजा शंकर राय, रसीद मंसूरी, राकेश त्रिपाठी, नीता अग्रवाल, डॉ विजय भारद्वाज, मजहर अली , रशीद कुरेशी, पंकज मिश्रा नोटा, सरला भदोरिया, शमशाद बेगम, आशिया सिद्धकी, शहनाज हुसैन, प्रकाश राय, मनीष रायकवार, राकेश अमरया, हैदर अली, मेवालाल भंडारिया, आदि ने मौन रहकर ईश्वर से प्रार्थना की दिवगंत आत्मा को शांति मिले तथा शोक संतप्त परिवार को ईश्वर धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करे।

टैंकरों से पेयजल की आपूर्ति 3 साल से नहीं हुआ धन राशि का भुगतान

29 यदि हड़ताल की चेतावनी पानी के लिए मर सकता है हाहाकार

झांसी । गर्मी में पेयजल संकट से जूझ रहे लोगों को बूंद बूंद पानी के लिए तरसना पड़ सकता है। 3 साल से टैंकर आपूर्ति की धनराशि ना मिलने से टैंकर संचालक परेशान हैं। और उन्होंने 29 मई से पानी की आपूर्ति ना करने की चेतावनी दे दी है। उल्लेखनीय है कि विगत दिनों टैंकर संचालकों ने नगर विधायक रवि शर्मा से मुलाकात की थी तथा भुगतान कराए जाने की मांग की थी लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं निकल सका है ।टेंकरों से पानी की आपूर्ति करने वाले ठेकेदारों का कहना है कि लगभग 3 वर्ष पूर्ण होने को है और जल संस्थान झांसी द्वारा वर्ष 2019 का संपूर्ण भुगतान संबंधित लोगों को नहीं दिया गया है। 3 वर्ष बीत जाने के बावजूद भुगतान न होने से समस्त कार्य से जुड़े हुए लोगों के परिवारों के सामने भुखमरी जैसी स्थिति पैदा हो गई है। जिससे उनके सामने हड़ताल ही एकमात्र रास्ता रह गया है । टैंकर से पानी की आपूर्ति करने वाले ठेकेदारों का कहना है कि अगर उनके बिलों का भुगतान नहीं किया गया तो 29 मई को संबंधित कार्य से जुड़े लोग हड़ताल को जाने के लिए बाध्य होंगे। ट्रैक्टर द्वारा की जा रही जलापूर्ति पूर्ण रूप से बंद की जाएगी।

कोरोना से बचाव के लिए वैक्शीनेशन जरुरी: डा. ओ.पी. राठौर

गुरसराय। ग्रामीण क्षेत्र के विभिन्न गांवो में 195 लोगों की कोरोना की जांच की गई जिसमें सभी निगेटिव पाये गये वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गुरसराय में 178 लोगों को वैक्शीनेशन की प्रथम डोज दी गई। वहीं वरिष्ठ चिकित्सक डा. ओ.पी. राठौर ने बंकापहाड़ी का किया निरीक्षण। कोरोना वायरस महामारी के बचाव को लेकर चिकित्सकों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में सघन जांच प्रक्रिया जारी है। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरसराय के वरिष्ठ चिकित्सक डा. ओ.पी.राठौर के निर्देशन में गुरसराय ब्लॉक के विभिन्न ग्रामों कोरोना की जांच का सघन अभियान चलाया गया। जिसमें भसनेह में 50, बंकापहाड़ी में 65, बसारी में 35 और एवनी गांव में 45 लोगों सहित कुल 195 लोगों की कोरोना जांच की गई। जिसमें सभी निगेटिव पाये गये। वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. ओ.पी. राठौर अधीक्षक गांव गांव जाकर लोगों को जागरूक कर कोरोना जांच के लिए प्रेरित किया। और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर पहुंच कर वैक्शीनेशन लगवाने के लिए मार्गदर्शित किया और कोरोना से बचाव को लेकर कोविड 19 की गाईड लाईन का पालन करने का सुझाव दिया। कोरोना जांच टीम में सुनील कुमार बीसीपीएम, बृजेंद्र सिंह, संजीव कुमार एलटी, नवनीत खरे, लखन लाल राजपूत, आशा रमा तिवारी, पुष्पा देवी, ऊषा देवी सहित आदि लोग उपस्थित रहे। वहीं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गुरसराय पर 45 वर्ष के ऊपर के 40 लोगों को प्रथम डोज दी गई तथा 18 वर्ष के ऊपर के 138 लोगों को प्रथम डोज दी गई। कुल 178 डोज वैक्शीनेशन की दी गई।

कोरोना ने 14 लोगों की जान ली जांच में निकले 68 संक्रमित

झांसी। लॉकडाउन के चलते भले ही कोरोना के संक्रमण के मामलों में कमी आई हो लेकिन आज कोरोना से गंभीर रूप से बीमार 14 लोगों ने दम तोड़ दिया है यह बहुत बड़ी संख्या है। इलाज के दौरान ऐसा कोई दिन नहीं जा रहा है जिस दिन 5 से अधिक मौतें ना हो रही हो ।शनिवार को 14 लोगों की मौत की खबर ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। झांसी जिले में अब मरने वालों की संख्या 525 तक पहुंच गई है वहीं दूसरी ओर जिले में 15 से 51 लोग संक्रमित हैं जिले में आज 6093 लोगों की जांच की गई दिन में 2616 की आरटी पीसीआर एवं 3472 एंटीजन टेस्ट किया गया जांच के संक्रिमित निकले।

बाजारों में सन्नाटा अस्पताल व दवा की दुकानों पर दिख रही है भीड़

मानिक चौक से बड़ा बाजार तक चोरी चोरी चुपके चुपके हो रहा है व्यवसाय

झांसी। कोरोना महामारी से बचाव के लिए एवं इसकी चेन तोड़ने के लिए प्रशासन द्वारा लगाया लॉकडाउन जारी है। इसके चलते बाजारों में सन्नाटा पसरा है ,दुकान व व्यापारिक प्रतिष्ठान पूरी तरह बंद है। कहीं-कहीं पर फुटपाथ पर मास्क बेचने वाले दिखाई दे जाते है ।मानिक चौक एवं बड़ा बाजार में थोड़ी सी चहल-पहल दिखाई देती है ।यहां पर दुकानदार अपनी दुकानों के बाहर खड़े रहते हैं। जिन लोगों की दुकानें तंग गलियों में है अथवा अलग से गोदान है वहां पर साइलेंट तरीके से दुकानदारी हो रही है। कहीं-कहीं आदि शटर गिराकर मौका देख कर कार्य किया जा रहा है। हालांकि यह बहुत कम हो रहा है। बाजारों में भीड़ नहीं दिखाई दे रही है। इसका असर भी दिखाई दे रहा है। मेडिकल स्टोर और डॉक्टरों के यहां भारी भीड़ उमड़ रही है । दतिया गेट बाहर फिल्टर रोड पर एक डॉक्टर की दुकान पर इस तरह भीड़ किसी भी तरह उचित नहीं है। यहां पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं हो रहा है। यह चिंता की बात है । डॉक्टर द्वारा न तो मरीजों के नंबर लगवाए जा रहे हैं और ना ही सामाजिक दूरी का पालन किया जा रहा है ,इससे संक्रमण के फैलने का खतरा है। बाजार में, विशेषकर जिला अस्पताल के आसपास मेडिकल स्टोर की दुकान होती लोग दवाएं खरीद रहे हैं। अधिकांश दवाएं उपलब्ध होने का मेडिकल स्टोर संचालक

दावा कर रहे हालांकि ऑक्सीमीटर व अन्य दवाएं ओवर रेट बेची जा रही हैं। शनिवार व रविवार को किराना बाजार बंद रहता है इसके चलते आज सुभाष गंज में भी सन्नाटा रहा। हालांकि अनेक दुकानें आज डालकर खुली रहीं।

भाजपा पूर्व महानगर अध्यक्ष संजीव श्रृंगी ऋषि ने रवाना किए पानी के टैंकर

पानी न मिलने पर सीधे फोन करने से पहुंचेगा पानी

झाँसी। पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव श्रृंगीऋषि के द्वारा जिलाध्यक्ष मुकेश मिश्रा की अध्यक्षता मै पानी के टैंकरों की रवानगी जिलाधिकारी आंद्रा वामसी के मुख्य आतिथ्य मै सर्किट हाउस से की ।

संजीव श्रृंगीऋषि ने बताया सेवा ही संघटन को मानते हुए आज सर्किट हाउस से झांसी की जनता को निशुल्क पानी उपलब्ध कराने की पहल की गई जिससे हर जरूरत मंद के घर पर पानी पहुंचाया जा सके।

संजीव श्रृंगीऋषि ने बताया की इस भयानक कोरोना महामारी से लोग परेशान है ऊपर से पानी का संकट लोगों के लिए मुसीबत बनी हुई है।

सरकार लोगों को मदद करने मै लगी है लेकिन हर किसी को अपना अपना प्रयास करना चाहिए और हम सभी की जिम्मेदारी है कि कोई भी व्यक्ति पानी के लिए परेशान ना हो। और झांसी मै किसी को पानी की जरूरत होती है तो मुझे सीधे 9455761996 पर संपर्क कर सकता है सिविल लाइंस एवं नगरा, सीपरी क्षेत्र के लिए नीरज सिंह के नंबर 7007229963 एवं शिवजी नगर एवं शहर क्षेत्र के लिए सत्यम से 8318789996 पर संपर्क कर सकते है।

यह सुविधा पुर्यता निशुल्क होगी और जो लोग को पानी चाहिए है वो अपनी डिटेल्स नोट करा देंगे जो पहले कॉल करके उसको पहले निशुल्क जल सेवा पहुंचाई जाएगी।

जिलाधिकारी आंद्रा वामसी ने पूर्व जिलाध्यक्ष संजीव श्रृंगीऋषि जी की इस पहल की सराहना की और बताया कि मुझसे जो सहयोग की जरूरत होगी झांसी की जनता के लिए तत्पर हूं। और जिससे जितनी बन सके निर्स्वार्थ सेवा करना चाहिए।

जिलाध्यक्ष मुकेश मिश्रा ने बताया जनता को पानी की कमी महसूस नही होने देंगे। नेक कार्यों की सुरुआत हो गई है अब सभी कार्यकर्ता और उनका परिवार कोरोना से उबरते जा रहे है और सेवा के लिए आगे आएंगे।

इस अवसर पर झांसी महानगर के पांचों मंडल अध्यक्ष नागेंद्र पाल, धीरज मिश्रा, रिषी सैनी, जितेंद्र तोमर, अभिषेक जैन, उपस्थित रहे साथ ही आशीष उपाध्याय, नीरज सिंह वरुण जैन, सत्यम दुबे, योगी पार्लर, मोहित शर्मा, आशीष गुप्ता, मुकुल द्विवेदी, विशेषांक तिवारी, नकुल नामदेव, आशीष कोस्टा, अमित बुधौलिया जितेंद्र बाल्मीकि, सौरव जैन, आदि उपस्थित रहे।

सांसद अनुराग शर्मा ने 11 बाईपप मशीन, 10 ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर, 200 पल्स आक्सीमीटर और 30 हजार बोतल काढ़ा प्रदान किया

झांसी। ललितपुर सांसद अनुराग शर्मा ने लगभग 1.15 करोड़ रुपये के उपकरण, दवाएं और अन्य सामग्री जिला प्रशासन और आम लोगों को प्रदान की है, जिससे कोरोना के खिलाफ चल रहे अभियान में मदद पहुंचाई जा सके, राहत सामग्री में से कुछ उपकरण अस्पतालों तक पहुंचाएं जाएंगे जबकि कुछ औषधियां ग्रामीण क्षेत्रों में वितरित की जाएंगी। झांसी के सर्किट हाउस में सांसद अनुराग शर्मा ने सामग्री से भरे रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, इसके अलावा अस्पतालों को दिए जाने वाले उपकरण डीएम को सौंपे, इस मौके पर सांसद ने पंडित विश्वनाथ शर्मा हिन्दू धर्मार्थ न्यास की ओर से 11 बाईपप मशीन, 10 ऑक्सीजन कंसेंट्रेटर, 200 पल्स आक्सीमीटर और 30 हज़ार बोतल काढा प्रदान किया, सांसद अनुराग शर्मा ने कहा कि तीस हजार काढ़े के बोतल लोगों के घरों तक पहुंचेंगे तो उन्हें इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद मिलेगी, बाईपप मशीन भी कोरोना के मरीजों के लिए काफी मददगार साबित हो रहा है, पल्स आक्सीमीटर गांव भेजे जा रहे हैं, जिससे लोग अपने ऑक्सीजन लेवल की नियमित रूप से जांच कर सकें।

कोरोना मरीज के इलाज का खर्चा सरकार उठाए

शासनादेश जारी करने की बुंदेलखंड की मुख्यमंत्री से मांग

झांसी। बुंदेलखंड निर्माण मोर्चा अध्यक्ष भानु जाए एडवोकेट ने प्रदेश के मुख्यमंत्री कार्यालय को ई-मेल भेजकर मुख्यमंत्री से मांग की है कि कोरोना मरीजों का सरकारी प्राइवेट में जो इलाज किया जाएगा उसका खर्चा सरकार उठाएगी उन्होंने मुख्यमंत्री से मांग की है कि वह इसकी घोषणा 23 मई रविवार को झांसी की नगरी मैं आकर करें उन्होंने ईमेल के माध्यम से भेजे गए ज्ञापन में मांग की है कि कोविड मरीजो के इलाज का खर्चा सरकार उठाएगी इसका शासनादेश शीघ्र लागू किया जाय ।मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ में की में गई घोषणा की कोई भी कोविड मरीज बिना इलाज के वापस नही जाएगा, सरकारी एवं प्राइवेट अस्पतालोक इलाज का खर्चा सरकार उठायेगी का शासन आदेश महारानी लक्ष्मीबाई की नगरी से जारी किया जाए। पत्र में उन्होंने लिखा है कि धन अभाव में इलाज नही करा पाने के कारण अनेक लोगो की मृत्यु हो चुकी है। कोरौना वायरस की तीसरी लहर की बात सरकार द्वारा भी की जा रही है। महामारी में जनता की जान बचाने का दायित्व सरकार का है। इलाज के अभाव में किसी मौत न होने पाए इसलिए शासन आदेश शीघ्र लागू किया जाय।

नाले पर अतिक्रमण भाजपा व कांग्रेस पार्षद आमने-सामने

झांसी। नटवलिब नाले पर अतिक्रमण को लेकर भाजपा व कांग्रेस के पार्षद आमने-सामने आ गए हैं ।विगत दिवस भाजपा पार्षद ने जहां महापौर को ज्ञापन देकर नाले पर अतिक्रमण हटाने का अनुरोध किया था ।महापौर के निर्देश पर आनन-फानन नाले पर अतिक्रमण नगर निगम की टीम ने हटा दिया था । आज कांग्रेश के पार्षद ने नाराज को ज्ञापन देकर पार्षद पर अतिक्रमण करने वालों को बचाने का आरोप लगाया है । नाले के ऊपर दीवार बनाकर किये गये अतिक्रमण को हटाने के सम्बन्ध में अखिल भारतीय काँग्रेस कमेटी, सदस्य एवं सभासद सुलेमान अहमद मंसूरी (एड.) ने नगर आयुक्त का ध्यान आकर्षित कराते हुए अतिक्रमण को हटवाने की मांग की है। सभासद मसूरी ने बताया कि मोहल्ला इतवारी गंज में नटवली नाला निकला हुआ है जिसमें मुहल्ले का पानी जाता है। पानी निकासी के लिये नगर निगम ने पक्का नाला बनवाकर नटवली नाले में मिलाया था। इस नाले के ऊपर अवैध रूप से दीवार बनाकर सिद्धनगर कॉलोनी के रूप में चार दीवारी बनाकर अवैध कॉलोनी का रूप दे दिया गया है। दीवार बन जाने के कारण नाले की सफाई नहीं हो पा रही है। भाजपा पार्षद प्रदीप नगरिया के दबाव में नगर निगम द्वारा इस अतिक्रमण को अभी तक नही हटाया जा रहा है. जबकि बरसात का मौसम आने वाला है। जिससे क्षेत्रवासियों को काफी असुविधा होगी। उन्होंने नाले के ऊपर दीवार बनाकर किये गये अतिक्रमण को हटवाने की मांग नगर आयुक्त से की है।

स्वामी निष्ठावान एडवरटाइजर्स एण्ड मीडिया प्रा.लि., मुद्रक, प्रकाशक, जय कुमार सिंह द्वारा मेसर्स श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 137, 138, 139, सेक्टर-आई, स्पेशल इंडस्ट्रीयल एरिया गोविंदपुरा-462023 भोपाल , म.प्र. से मुद्रित एवं 176/1, वीरांगना नगर जेडीए कॉलोनी झाँसी से प्रकाशित। **स्थानीय संपादकः रिपुसूदन नामदेव**। *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन हेतु जिम्मेदार (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झांसी रहेगा।) फोनः 0510-24444494 फैक्स-24444494, भोपाल फोनः 0755-4009939, फैक्सः- 4273629, आर.एन.आई.नं. UPHIN 2012/47946